1 मातृ-अर्चना

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) इस कविता में भारत भूमि की वंदना की जा रही है।

(ख) कवि के अनुसार भारतमाता राम, कृष्ण, गौतम की जननी है।

(ग) कवि के अनुसार भारत-भूमि पर गंगा, यमुना, कृष्णा, कावेरी नदियाँ बहती हैं।

2. सोचकर लिखो–

(क) भारत-भूमि बिना किसी भेद-भाव के हमें आवास के लिए भूमि और खाने के लिए अन्न प्रदान करके, हमारा पालन-पोषण करके हम पर उपकार करती है।

(ख) प्रस्तुत कविता में भारत माता की धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक विशेषताओं का वर्णन किया गया है।

(ग) भारत भूमि अन्न, धन प्रदान प्रदान करके हमारा, पालन-पोषण करती है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) भारतमाता के चरण कौन पखारता है?

झील की लहरें ☐ सागर की लहरें ☑ नदी की लहरें ☐ ताल की लहरें ☐

(ख) भारत-भूमि राम, कृष्ण, गौतम की क्या है?

भार्या ☐ भगिनी ☐ जननी ☑ भाभी ☐

(ग) भारत में मुक्त उछालें कौन मारता है?

फूल-पत्तियाँ ☐ आब-हवा ☑ पेड़-पौधे ☐ जंगल-झाड़ी ☐

(घ) हम तन और मन से क्या हैं?

विदेशी ☐ देवकी ☐ जानकी ☐ भारती ☑

4. कविता की निम्नलिखित भाव वाली पंक्तियाँ लिखो–

(क) राम, कृष्ण, गौतम की जननी।
सत्यं शिवं सुंदरम् उच्चारती।।

(ख) सब शरणागत गोद में।
अंतर कोई न जानती।।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची से भिन्न शब्दों को रेखांकित करो–

(क) गंगा – सुरसरि जाह्नवी <u>**वारि**</u> भागीरथी

(ख) पहाड़ – नग गिरि **भूमि** शैल
(ग) आग – पावक अनल **आवास** अग्नि
(घ) बादल – घन नीरद वारिद **नग**
(ङ) पुत्र – तनय **खग** सुत बेटा

2. **निम्नलिखित एक शब्द का उनके अनेक शब्दों से मिलान करो–**

(क) अमर	(i) जानने की इच्छा रखने वाला
(ख) दूरदर्शी	(ii) किए हुए उपकार को मानने वाला
(ग) जिज्ञासु	(iii) जो कभी न मरे
(घ) श्रोता	(iv) दूर की सोचने वाला
(ङ) कृतज्ञ	(v) सुनने वाला

3. **निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोष के क्रमानुसार लगाओ और इनके अर्थ भी लिखो–**

पखारती, शरणागत, जननी, उच्चारती, ज्योति, अंतर

	शब्द	अर्थ		शब्द	अर्थ
(क)	अंतर	भिन्न	(ख)	उच्चारती	बोलना
(ग)	ज्योति	प्रकाश	(घ)	जननी	जन्म देने वाली
(ङ)	पखारती	धोना	(च)	शरणागत	शरण में आने वाला

4. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–**

(क)	सत्य	×	**असत्य**	(ख)	जय	×	**पराजय**
(ग)	ज्ञान	×	**अज्ञान**	(घ)	धरती	×	**आकाश**
(ङ)	सुंदर	×	**कुरूप**	(च)	मुक्ति	×	**बंधन**

2 प्रकृति एवं हम

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**
   (क) मनुष्य तथा प्रकृति के बीच संघर्ष और स्वीकृति का एक लोमहर्षक नाटक चला आ रहा है।
   (ख) आज भी मनुष्य प्रकृति का पुत्र है।
   (ग) मनुष्य प्रकृति से अपनी आवश्यकताओं की वस्तुओं की पूर्ति करना चाहता है।
   (घ) चिपको आंदोलन में लोग पेड़ों से चिपक जाते थे।
2. **सोचकर लिखो–**
   (क) प्रकृति अपने विनाश का बदला प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सुनामी, भूकंप आदि के रूप में लेगी।

(ख) सरकारें जनता के लिए अधिक से अधिक सड़कों का निर्माण, पुलों का निर्माण करके प्रकृति को बरबाद कर रही है। अब सरकारें इस बरबादी के रास्ते पर बढ़ने को मजबूर हैं, क्योंकि खुद अपनी जरूरतें इस कदर बढ़ा ली है कि अब वे रोकी नहीं जा सकती।

(ग) पर्यावरण संतुलन में जंगलों का विशेष योगदान है ये बाढ़ों को रोकते हैं वर्षा-चक्र को सही रखते हैं और ऑक्सीजन का संतुलन बनाए रखते हैं।

(घ) अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए आहार समझकर पेड़ों का अत्यधिक कटान हमारे लिए दैनिक विष के समान है।

(ङ) वनाधिकारी जानते हैं कि छोटे-मोटे घरेलु किस्म के पेड़ भले ही समतल जमीन पर उगाए जा सकें पर सुईं जैसी फलियों वाले 'फर' किस्म के पहाड़ी पेड़ मुख्यतः प्राकृतिक रूप से अपने आप ही उगते और बढ़ते हैं।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) पहाड़ी क्षेत्रों में अपने आप उगने वाले पेड़ हैं–

चीड़ [ ] फर [✓] बरगद [ ] गूलर [ ]

(ख) जंगलों के काटने का मतलब होगा–

भूमि को आरक्षित करना [ ] बाढ़ों को बढ़ावा देना [ ]

मौसम बदलने में सहायक बनना [ ] तीनों [✓]

(ग) कश्मीर की घाटी में कैसी बरफ थी?

रूई जैसी मुलायम [ ] पत्थरों जैसी शाश्वत [✓]

दोनों [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

(घ) कश्मीर के सारे धंधे चौपट किए–

रेल हड़ताल ने [✓] बसों की हड़ताल ने [ ]

फैक्ट्री की हड़ताल ने [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

तात्कालिक, सर्वनाश, प्रकृति, वश

(क) आज भी मनुष्य **प्रकृति** का ही पुत्र है।

(ख) प्रकृति को मनुष्य ने अपने **वश** में कर लिया है।

(ग) प्रकृति की वक्र-दृष्टि **सर्वनाश** का कारण बन सकती है।

(घ) हम अपनी **तात्कालिक** जरूरतों के लिए शाश्वतता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे दिए गए समस्त पदों का समास विग्रह करो–

(क) तिरंगा – **तीन रंगों का समूह**

(ख) सप्तऋषि – **सात ऋषियों का समूह**

(ग) सप्ताह – **सात दिनों का समूह**

(घ) त्रिभुज	–	**तीन भुजाओं का समूह**				
(ङ) चारपाई	–	**चार पैरों का समाहार**				
(च) दशक	–	**दस वर्षों का समय**				

2. शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

(क) दिरषटि	–	**दृष्टि**	(ख) समपति	–	**सम्पत्ति**
(ग) परकति	–	**प्रकृति**	(घ) विकरत	–	**विकृत**
(ङ) प्राकरितक	–	**प्राकृतिक**	(च) आरथिक	–	**आर्थिक**
(छ) करमचारी	–	**कर्मचारी**	(ज) मनुशता	–	**मनुष्यता**

3. निम्न शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

(क) बादल	–	**मेघ**	(ख) कानन	–	**वन**
(ग) पाषाण	–	**शिला**	(घ) पर्वत	–	**शैल**
(ङ) वृक्ष	–	**तरु**	(च) सरिता	–	**नदी**

4. निम्न शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखो–

(क) पराजय	–	**जय**	(ख) अनावश्यक	–	**आवश्यक**
(ग) मृत्यु	–	**जीवन**	(घ) कृत्रिम	–	**प्राकृतिक**
(ङ) असंभव	–	**संभव**	(च) सुगति	–	**दुर्गति**
(छ) सदोष	–	**निर्दोष**	(ज) सामान्य	–	**असमान्य**

3 जैसे को तैसा

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) बूढ़े चौधरी की गाड़ी में लकड़िया भरी थीं।

(ख) चौधरी को पूरी गाड़ी सेठ के पास इसलिए छोड़नी पड़ी क्योंकि सेठ ईमानदार नहीं था।

(ग) चौधरी अटकते-अटकते बोला ''बैल जुते हुए जरूर थे, परन्तु सेठ जी, मैंने तो आपको लकड़ियों का दाम बताया था।

(घ) सेठ ने चौधरी को समझाया कि इस दुनिया में जबान से बढ़कर कुछ नहीं है।

2. सोचकर लिखो–

(क) चौधरी ने घर जाकर अपने बेटों को यह बताया कि किस प्रकार सेठ ने चालाकी से उसकी गाड़ी-बैल पाँच रूपये में रख लिए और गिड़गिड़ाने पर तथा पाँव में पगड़ी रखने पर भी वह नहीं माना।

(ख) चौधरी के बेटे ने गाड़ी-बैल वापस लेने की योजना बनाई कि सेठ की जबान से ही उसे बांधूँगा। डीस का तराजू-बाट और उसी के भाव से उसका हिसाब चुकता करूँगा।

(ग) सेठ ने जैसे ही मुट्ठियाँ खोली तो चौधरी के बेटे ने उसका हाथ पकड़ लिया। फिर अपनी कमर में खुँसा पैना हँसिया निकाल कर बोला, सेठ जी मुट्ठियाँ खोलो मत, ये तो अब साथ ही जाएँगी। आज आया है ऊँट पहाड़ के नीचे।

(घ) सेठ जोर से चिल्लाया और बोला, ''छोड़ दे चौधरी, मुझ पर दया कर। मुझसे गलती हो गई। गाड़ी-बैल का भला मैं क्या करूँगा। तू उन्हें भी जे जा मैंने तो यूँ ही मजाक किया था।''

(ङ) चौधरी के बेटे ने सेठ को कहा कि वह उसके पाँव में पगड़ी रखकर सात बार नाक रगड़े।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) सेठ ने चौधरी से कितने रुपये में सौदा तय किया?

दो रुपये	☐	पाँच रुपये	✓	दस रुपये	☐	पंद्रह रुपये	☐

(ख) चौधरी ने सेठ के पैरों में क्या रखी?

लकड़ी	☐	गाड़ी	☐	पगड़ी	✓	इनमें से कोई नहीं	☐

(ग) चौधरी के बेटों की आँखों में क्या उतर आया?

खून	✓	पानी	☐	गुस्सा	☐	इनमें से कोई नहीं	☐

(घ) सेठ अंत में गाड़ी के साथ कितने रुपये देने को राजी हुआ?

सौ रुपये	☐	दो सौ रुपये	☐	तीन सौ रुपये	☐	पाँच सौ रुपये	✓

(ङ) चौधरी के बेटे ने सेठ से कितनी बार नाक रगड़ने को कहा?

दस बार	☐	पाँच बार	☐	सात बार	✓	आठ बार	☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

चट, जूँ, हवेली, पाँच, खून

(क) सेठ के साथ चौधरी उसकी **हवेली** गया।

(ख) सेठ ने खुशी-खुशी **पाँच** रुपये चौधरी को दे दिए।

(ग) बूढ़े चौधरी के काटो तो **खून** नहीं।

(घ) सेठ के कान पर **जूँ** तक नहीं रेंगी।

(ङ) सेठ को तो **चट** लगी हुई थी।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

जो सर्वनाम शब्द एक सर्वनाम का दूसरे सर्वनाम के साथ संबंध बताते हैं, उन्हें 'संबंधवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे– जो - वही। जो मधुर वाणी में बात करता है, वही सम्मान पाता है।

इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. जो-सो – **जो कर्म करता है, सो फल पाता है।**
2. जिसकी-उसकी – **जिसकी गलती थी, उसकी पिटाई की गई।**
3. जिसने-उसने – **जिसे मैं जानता हूँ, उसे मेरा भाई भी जानता है।**

4. जिसे-उसे – **जिसे राम के लाने के लिए कहा था, उसे लेकर आओ।**

5. वह-जिसने – **वह वही लड़का है, जिसने चोरी की थी।**

1. निम्न शब्द युग्मों के अर्थ बताओ–

(क) कमी-बेशी – **कम-ज्यादा** (ख) झगड़ा-टंटा – **वाद-विवाद**

(ग) वारे-न्यारे – **बहुत लाभ होना** (घ) घड़ी-रात – **समय**

(ङ) मोल-भाव – **सौदा करना** (च) नफा-नुकसान – **लाभ-हानि**

(छ) चीं-चपड़ – **बहस करना**

2. निम्नलिखित शब्दों के लिंग का मिलान करो–

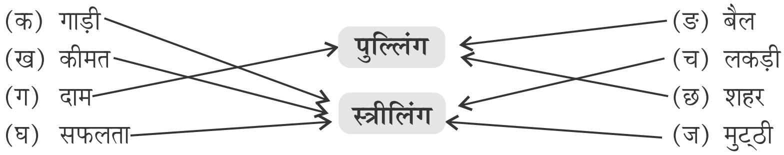

3. निम्न शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखो–

(क) गरीब – **अमीर** (ख) छोटा – **बड़ा**

(ग) गाँव – **शहर** (घ) सफलता – **असफलता**

(ङ) मूर्ख – **बुद्धिमान**

4 मचान पर

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) लेखक ने वटवृक्ष के ऊपर मचान बनाई।

(ख) लेखक ने मचान त्रिभुज की आकृति की बनाई।

(ग) लेखक ने मचान पर छत डालकर उसे कुटिया का रूप दे दिया था।

(घ) लेखक ने दूसरे दिन दो कबूतरों को प्रणाम किया।

2. सोचकर लिखो–

(क) लेखक को संदिग्ध एकांत में बाँस काटने पर ऐसा लग रहा था जैसे वह वनवासियों की किसी सर्वमान्य प्रथा के उल्लंघन करने का महापराध करने जा रहा हूँ।

(ख) आधी रात में जब लेखक की नींद खुली तो उसके चारों तरफ कब्रिस्तान का-सा भीषण सन्नाटा छाया हुआ था और उसे कुछ भी नहीं सूझ रहा था।

(ग) शेर के मचान के ठीक नीचे आ जाने पर लेखक बहुत भयभीत हो गये, उन्हें आशंका हुई कि कहीं शेर उनके ऊपर हमला न कर दे।

(घ) शेर ने मचान तक चढ़ने का तीन बार प्रयत्न किया लेखक ने उसका सामना मचान तोड़कर जल्दी से पेड़ पर चढ़कर सूझबूझ और साहस के साथ किया।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) कौन-सा वृक्ष पुराना था?

पीपल का ☐ नीम का ☐ वट का ☑ अशोक का ☐

(ख) तीसरा पहर किसके विश्राम का समय होता है?

वनचरों के ☑ असुरों के ☐ जलचरों के ☐ सुरों के ☐

(ग) मचान धरती से कितनी ऊँची थी?

दस फुट ☐ चौदह फुट ☐ पंद्रह फुट ☑ बारह फुट ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

काकड़, मजबूत, पहाड़ी, संकल्प, कुटिया

(क) तीन **मजबूत** रस्सियाँ मेरे पास थीं।

(ख) मचान को **कुटिया** का रूप दिया जाने लगा।

(ग) सहसा बाईं ओर के किसी जंगल में **काकड़** बोल उठा।

(घ) थोड़ी ही दूर पर **पहाड़ी** नाला बह रहा था।

(ङ) उसने एक क्षण के लिए भी अपना **संकल्प** नहीं बदला।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित शब्दों के लिंग लिखो—

(क) बाँस	–	**पुल्लिंग**	(ख) गर्जन	–	**स्त्रीलिंग**
(ग) प्रथा	–	**स्त्रीलिंग**	(घ) नाला	–	**पुल्लिंग**
(ङ) छलाँग	–	**स्त्रीलिंग**	(च) शाखा	–	**स्त्रीलिंग**

2. नीचे दिए गए शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों के सही विकल्प पर सही का निशान (✓) लगाओ—

(क) निश्चित –	त	☐	इत	☑	ईत	☐	उ	☐
(ख) प्रमाणित –	इत	☑	त	☐	णित	☐	ईत	☐
(ग) बेवकूफ़ी –	ई	☑	फ़ी	☐	इ	☐	कूफ़ी	☐
(घ) मलाईदार –	दा	☐	र	☐	दार	☑	ईदार	☐
(ङ) धृष्टता –	ता	☐	आ	☑	रत	☐	टत	☐
(च) उत्सुकता –	कत	☐	कता	☐	ता	☐	आ	☑

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ—

(क) जैसा-वैसा – **जैसा करोगे, वैसा भरोगे।**

(ख) जितना-उतना – **जितना करोगे, उतना मिलेगा।**

(ग) जब-तब – **जब मैं स्टेशन पहुँचा, तब गाड़ी आई।**

(घ) जैसे-वैसे – **जैसे ही वह पहुँचा, वैसे ही गाड़ी आ गई।**

(ङ) अगर-तो – **अगर तुम मेहनत करोगे, तो सफलता मिलेगी।**

4. **निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य लिखो–**

(क) हाथियों की तो बिसात ही क्या?

(ख) रस्सी के दूसरे सिरे को पकड़ मैं वृक्ष पर चढ़ा।

(ग) थोड़ी दूरी पर पहाड़ी नाले बह रहे थे।

(घ) शेरों को देखने का चाव भय में बदल गया।

5 सच्चे शिष्य बनने के गुण

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) सच्ची व्याकुलता होना बड़ी कठिन बात है, उसके लिए तो हमें अपनी पाश्विक प्रकृति के साथ निरंतर जूझते रहना होगा, सतत् युद्ध करना होगा और उसे अपने वश में लाने के लिए अविराम संघर्ष करना होगा।

(ख) सत्य को जानने के लिए इस लोक अथवा परलोक में कुछ प्राप्त करने की सारी इच्छाओं को त्यागना होगा।

(ग) शिष्य की सहनशक्ति महान होनी चाहिए।

(घ) जब मन इधर-उधर भटकता है तो संसार के सब बुरे से बुरे विषय उभर आते हैं, जब तक मन चंचल और वश से बाहर है, तब तक कोई आध्यात्मिक ज्ञान संभव नहीं है।

2. **सोचकर लिखिए–**

(क) एक आदर्श शिष्य में पवित्रता, सच्ची ज्ञान-पिपासा और अध्यवसाय जैसे गुणों का होना आवश्यक है।

(ख) गुरु और शिष्य का संबंध ऐसा होना चाहिए जैसा पूर्वजों के साथ उनके वंशजों का होना है।

(ग) 'दुविधा छोड़कर गुरु की आज्ञा का पालन और ब्रह्मचर्य की रक्षा' यही सफलता का रहस्य है।

(घ) शिष्य के लिए ज्ञान प्राप्त करने के लिए तीन शर्ते अनिवार्य हैं–

(i) इस लोक अथवा परलोक में कुछ प्राप्त करने की सारी इच्छाओं का त्याग।

(ii) शिष्य अपनी ज्ञानेन्द्रियों को नियंत्रित करने में समर्थ होना चाहिए।

(iii) शिष्य की सहनशक्ति महान होनी चाहिए।

(ङ) हनुमान जी जैसा सेवाभाव रखने से व्यक्ति महाबुद्धिमान, साहसी, जितेन्द्रिय बनता है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) शिष्य के लिए आवश्यक है—

पवित्रता ☐ अध्यवसाय ☐

सच्ची ज्ञान-पिपासा ☐ तीनों ☑

(ख) सच्ची व्याकुलता होना—

कठिन है ☑ सरल है ☐ सामान्य ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ग) शिष्य के द्वारा अपने मन को, करना चाहिए—

अधीर ☐ शांत ☑ भटकाना ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) किसके चरित्र को आदर्श मानना पड़ेगा?

हनुमान जी ☑ श्री राम ☐ श्री विष्णु ☐ शिवशंकर ☐

(ङ) शिष्य की पहली शर्त क्या है?

इन्द्रियों को नियन्त्रित करना ☑ सत्य को जानना ☐

महान् सहनशक्ति ☐ शांत मन का होना ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

त्याग, सच्ची, यथार्थ, सहनशक्ति, वासनाएँ

(क) अपवित्र आत्मा कभी **यथार्थ** धार्मिक नहीं हो सकती।

(ख) **सच्ची** व्याकुलता होनी बड़ी कठिन बात है।

(ग) शिष्य की **सहनशक्ति** भी महान् होनी चाहिए।

(घ) शरीर की **वासनाएँ** केवल क्षणभर के लिए संतोष देती हैं।

(ङ) यदि तुम आध्यात्मिक बनना चाहते हो, तो तुमको **त्याग** करना होगा।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे दिए गए संबंधबोधक शब्दों का वाक्य में प्रयोग करो—

(क) के प्रति – **हमें बड़ों के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करना चाहिए।**

(ख) के समान – **हमें वीरों के समान बहादुर होना चाहिए।**

(ग) के सहारे – **रोगी दवाई के सहारे ठीक है।**

(घ) के द्वारा – **हम बस के द्वारा दिल्ली पहुँचे।**

(ङ) के अतिरिवत – **कठिन परिश्रम के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं है।**

(च) के बिना – **ज्ञान के बिना सफलता मिलनी कठिन है।**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो—

(क) असफल × **सफल** (ख) अधर्म × **धर्म**

(ग) कठोर × **मुलायम** (घ) मूर्ख × **बुद्धिमान**

(ङ) मृत्यु × **जीवन** (च) लोक × **परलोक**

(छ) निराशा × **आशा**

3. **निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाओ–**

	शब्द		बहुवचन		शब्द		बहुवचन
(क)	वचन	–	**वचनों**	(ख)	गरीब	–	**गरीबों**
(ग)	धर्म	–	**धर्मों**	(घ)	लोग	–	**लोगों**
(ङ)	शर्त	–	**शर्तें**	(च)	पूर्वज	–	**पूर्वजों**

4. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–**

(क)	सत्य	–	**सच**	(ख)	शिष्य	–	**अनुयायी**
(ग)	जीवन	–	**जिंदगी**	(घ)	लाभ	–	**फायदा**
(ङ)	तीव्र	–	**तेज**				

6 कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**
   (क) **कविता का नाम–** कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
   कवि का नाम– सोहन लाल द्विवेदी।
   (ख) चींटी की रगों में उसे मन का विश्वास साहस भरता है।
   (ग) सफल होने के लिए आलस्य और नींद का त्याग करना चाहिए।
   (घ) बार-बार असफल होने के पश्चात् भी प्रयास करने वालों की मेहनत बेकार नहीं होती।

2. **सोचकर लिखिए–**
   (क) वे व्यक्ति जो सच्ची लगन व मेहनत से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, जैसे– चींटी दीवार पर चढ़ती हुई कई बार असफल होती है लेकिन फिर भी वह अपना प्रयास जारी रखती हुई अन्त में सफलता प्राप्त करती है।
   (ख) गोताखोर सागर के अंदर बार-बार डुबकी लगाता है, कई बार खाली हाथ लौटकर आता है, किन्तु वह निराश नहीं होता और अन्ततः सफल होता है।
   (ग) गोताखोर की मुट्ठी हर बार खाली नहीं होती क्योंकि वह अपना प्रयास जारी रखता है।
   (घ) दी गई पंक्तियों से आशय है कि जो व्यक्ति दृढ़ विश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है वह रास्ते में आने वाली बाधाओं से विचलित नहीं होता है।

3. **सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–**
   (क) लहरों से डरकर क्या पार नहीं होती?
   जहाज़ ☐ मंजिल ☐ नौका ☑ राह ☐

(ख) नन्ही चींटी क्या लेकर चढ़ती है?

तिनका	☐	रस्सी	☐	दाना	☑	धारा	☐

(ग) कवि ने किसे चुनौती कहा है?

संघर्ष को	☐	असफलता को	☑	सफलता को	☐	ख्याति को	☐

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पूरी करो–

लहरों से डरकर **नौका पार नहीं होती**,
कोशिश करने वालों **की हार नहीं होती**।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का **विश्वास रगों में साहस भरता है** ,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।

5. निम्नलिखित पंक्तियों की प्रसंग सहित व्याख्या करो–

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियों में असफलताओं से निराश न होकर निरन्तर प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

व्याख्या : लक्ष्य प्राप्त करने में मिलने वाली असफलताओं से निराश होने के स्थान पर यह देखना चाहिए कि कहाँ पर त्रुटि हुई। नींद, आलस्य का त्याग करते हुए निरन्तर संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए, क्योंकि संसार में कुछ किए बिना यश की प्राप्ति नहीं होती।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित कविता की पंक्तियों में से विशेषण और विशेष्य शब्द छाँटकर लिखो–

		विशेषण	विशेष्य
(क) नन्ही चींटी दाना लेकर चलती है।	–	**नन्ही**	**चींटी**
(ख) चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।	–	**सौ बार**	**दीवारों**
(ग) जा-जाकर खाली हाथ लौटकर आता है।	–	**जाकर**	**हाथ**
(घ) मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,	–	**सहज**	**मोती**
(ङ) बढ़ता दुगुना उत्साह इसी हैरानी में,	–	**दुगुना**	**उत्साह**

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखो–

(क) सागर	–	**समुद्र**	**जलधि**	**सिन्धु**
(ख) नौका	–	**नाव**	**तरिणी**	**जलयान**
(ग) पानी	–	**जल**	**नीर**	**वारि**
(घ) पर्वत	–	**शैल**	**नग**	**पहाड़**
(ङ) साहस	–	**वीरता**	**निडरता**	**निर्भीकता**

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखो–

(क) शत्रु	–	**पुल्लिंग**	(ख) गोताखोर	–	**पुल्लिंग**
(ग) लहर	–	**स्त्रीलिंग**	(घ) नौका	–	**स्त्रीलिंग**

(ङ) चींटी – **स्त्रीलिंग** (च) विश्वास – **पुल्लिंग**

(छ) पानी – **पुल्लिंग** (ज) मोती – **पुल्लिंग**

4. **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करो–**

(क)	मैदान छोड़ना	– **भाग जाना**	**पुलिस को देखकर चोर मैदान छोड़कर भाग गये।**
(ख)	आँखे बिछाना	– **प्रेमपूर्वक स्वागत करना**	**राकेश अपने मित्र के आने की खबर सुनकर कब से आँख बिछाए बैठा है।**
(ग)	दाँत खट्टे करना	– **हरा देना**	**भारतीयों ने युद्ध में अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिये।**
(घ)	आकाश से बातें करना	– **बहुत ऊँचा होना**	**मुंबई की इमारतें आकाश से बातें करती हैं।**
(ङ)	बाल बाँका न होना	– **कुछ नहीं बिगाड़ना**	**अंग्रेज भगत सिंह का बाल बाँका नहीं कर सके।**

7 हमारे दूसरे राष्ट्रपति

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) मात्र बीस वर्ष की अवस्था में उन्होंने वेदांत-नीति पर अपना शोध-प्रबंध प्रस्तुत किया।

(ख) राधाकृष्णन की प्रारम्भिक शिक्षा तिरुतनी और तिरूपति के मिशनरी स्कूल में हुई।

(ग) संस्थानों में हिन्दू धर्म की जो आलोचना की जाती थी उससे उनके कोमल मन को बड़ी चोट लगी।

(घ) सन् 1915 में वे गाँधी जी के सम्पर्क में आये।

(ङ) राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपना वेतन 10 हजार से घटाकर दो हजार करने की घोषणा की।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं संगठनों में सक्रिय भाग लिया, इससे उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैल गई।

(ख) राधाकृष्णन जी ने वार्तालाप करते हुए स्टालिन से कहा था– ''आपने अपना मार्ग शक्ति के बल पर प्रशस्त किया है। हमारे भारत में भी अशोक सम्राट ने अनेक युद्ध लड़े अन्त में उन रक्तरंजित युद्धों से उसका मन बड़ा दुःखी हुआ और उसने युद्धों को त्यागकर बोद्ध धर्म स्वीकार कर लिया।

(ग) राधाकृष्णन के मन में हिन्दू धर्म के बारे में जानने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई। हिन्दू धर्म दर्शन का क्या तथ्य है एवं हिन्दू धर्म की वास्तविकता क्या है? इसके लिए उन्होंने वेदों-उपनिषदों, आरण्यकों आदि का गहन अध्ययन किया।

(घ) राधाकृष्णन जी का हॉवर्ड, प्रिंसटन, शिकागों आदि स्थानों पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

(ङ) राष्ट्रपति पद से मुक्त होने के पश्चात् राधाकृष्णन जी सार्वजनिक जीवन से संन्यास लेकर मद्रास में अपने पैतृक स्थान पर चले गये। वहाँ उनका पारिवारिक जीवन सुख-संतोषपूर्ण रहा।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) राधाकृष्णन का जन्म कब हुआ?
5 सितम्बर ☑ 10 सितम्बर ☐ 5 अगस्त ☐ 10 अप्रैल ☐

(ख) उनको किस धर्म के बारे में जानने की तीव्र जिज्ञासा थी?
हिंदू धर्म ☑ मुस्लिम धर्म ☐ सिक्ख धर्म ☐ ईसाई धर्म ☐

(ग) कौन-से विश्वविद्यालय ने उन्हें 'जीवन का हिंदू दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया?
केम्ब्रिज ☐ हॉर्वर्ड ☐ ऑक्सफोर्ड ☑ प्रिंसटन ☐

(घ) राधाकृष्णन को भारत का राजदूत बनाकर कहाँ भेजा गया?
चीन ☑ रूस ☐ अमेरिका ☐ जापान ☐

(ङ) राधाकृष्णन ने स्टालिन को किसका उदाहरण दिया?
सम्राट अशोक का ☑ शिवाजी का ☐
महाराणा प्रताप का ☐ गौतम बुद्ध का ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

संपन्नता, दूसरे, पुस्तकों, आधार-शिला, हिंदू

(क) डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के **दूसरे** राष्ट्रपति थे।

(ख) डॉ० राधाकृष्णन को बचपन से ही **पुस्तकों** से बहुत प्रेम था।

(ग) संतोष में जो सुख है **संपन्नता** में नहीं है।

(घ) **हिंदू** धर्म समान रूप से सभी धर्मों का आदर करता है।

(ङ) धार्मिक सहिष्णुता हिंदू धर्म की **आधार-शिला** है।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे लिखे शब्दों का विग्रह करके लिखो—

(क) राज्यपाल – **राज्य का पालक** (ख) राज्यसभा– **राज्य की सभा**

(ग) मंत्रिमंडल – **मंत्रियों का मंडल** (घ) राष्ट्रभक्त– **राष्ट्र का भक्त**

(ङ) ईश्वरभक्त – **ईश्वर का भक्त** (च) राष्ट्रगान – **राष्ट्र का गान**

(छ) देशद्रोही – **देश का द्रोही** (ज) लोकतंत्र – **लोक का तंत्र**

(झ) राजपुरुष – **राज का पुरुष** (ञ) लोकसभा– **लोक की सभा**

2. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करो–**

	शब्द		**अर्थ**	**वाक्य**
(क)	सम्राट	–	**राजा**	**सम्राट अशोक आगे चलकर 'अशोक महान्' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।**
(ख)	पाषाण	–	**पत्थर**	**पाषाण पहाड़ी क्षेत्रों में पाये जाते हैं।**
(ग)	कनिष्ठ	–	**उपसहायक**	**अमित जी हमारे स्कूल में कनिष्ठ लिपिक हैं।**
(घ)	शिक्षक	–	**गुरु**	**शिक्षक राष्ट्र निर्माण का आधार है।**
(ङ)	श्रद्धा	–	**विश्वास**	**भक्त की ईश्वर में श्रद्धा होता है।**
(च)	शिक्षक दिवस	–	**शिक्षक के अधिकारों का दिवस**	**शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है।**

3. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी लिखो–**

(क)	भारत	–	**भारतवर्ष**	(ख)	ईश्वर	–	**परमात्मा**
(ग)	गाँव	–	**ग्राम**	(घ)	सहपाठी	–	**मित्र**
(ङ)	शिक्षा	–	**विद्या**	(च)	आमंत्रण	–	**निमंत्रण**

4. **निम्नलिखित प्रत्ययों के तीन-तीन शब्द बनाओ–**

(क)	इक	–	**दार्शनिक**	**मानसिक**	**शारीरिक**
(ख)	अन	–	**बचपन**	**समापन**	**लड़कपन**
(ग)	वान	–	**ज्ञानवान**	**धनवान**	**सामर्थ्यवान**
(घ)	ई	–	**लिखाई**	**पढ़ाई**	**सिलाई**
(ङ)	आहट	–	**घबराहट**	**कडवाहट**	**झुंझलाहट**
(च)	कर	–	**घबराकर**	**बुलाकर**	**मिलवाकर**

चरित्रवान

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**
   - (क) गाँधी जी ने जेल से अपने पुत्र को पत्र लिखा।
   - (ख) बारह वर्ष की उम्र के बाद बच्चों में जिम्मेदारी और कर्तव्य का भाव होना चाहिए।
   - (ग) संसार में हमें निम्न तीन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए– अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना।
   - (घ) पाठ में गाँधी जी ने जेल से अपने पुत्र के लिए पत्र लिखा।

2. सोचकर लिखिए–

(क) 'बा' गाँधी जी की धर्मपत्नी थी, पत्र में उनके स्वास्थ्य के बारे में लिखा गया है।

(ख) गाँधी जी के अनुसार अपनी बीमार माँ की सेवा करने रामदास व देवदास का ध्यान रखने से उनके पुत्र के चरित्र निर्माण व कर्तव्य बोध की शिक्षा हो रही थी।

(ग) गाँधी जी ने छोटी-सी आयु में अपने पिताजी की सेवा करके अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना शुरू कर दिया था।

(घ) मणिलाल घर के कार्यों में व्यस्त रहने के कारण अपनी शिक्षा का पूर्ण रूप से ध्यान नहीं दे पा रहा था। उसके पिता ने चरित्र-निर्माण व कर्तव्यबोध को सच्ची शिक्षा कहा है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) गाँधी जी के ज्येष्ठ पुत्र का नाम था–

श्यामलाल [ ] मणिलाल [✓] रामलाल [ ] देवीलाल [ ]

(ख) गाँधी जी अपने पुत्र को श्री वेस्ट के यहाँ कब जाने को कहते हैं?

सोमवार [ ] शनिवार [ ] रविवार [✓] शुक्रवार [ ]

(ग) गाँधी जी बच्चों से दूध के साथ क्या खाने की बात करते हैं?

साबूदाना [✓] खीर [ ] दलिया [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

(घ) गाँधीजी के पुत्र थे–

मणिलाल [ ] रामदास [ ] देवदास [ ] तीनों [✓]

(ङ) डिप्टी गवर्नर का व्यवहार कैसा था?

उदार [✓] कठोर [ ] सामान्य [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

प्रार्थना, आमोद, चरित्र, काम

(क) सच्ची शिक्षा तो **चरित्र** निर्माण और कर्त्तव्य का बोध है।

(ख) **आमोद** -प्रमोद एक निश्चित आयु तक ही शोभा देते हैं।

(ग) **काम** की अधिकता से मनुष्य को घबराना नहीं चाहिए।

(घ) सूर्योदय से पहले उठकर **प्रार्थना** करना बहुत ही अच्छा है।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित क्रिया-विशेषण शब्द चुनकर कीजिए तथा क्रिया-विशेषण भेद लिखो–

(क) हम **प्रतिवर्ष** कश्मीर जाते हैं। (प्रतिवर्ष, प्रतिदिन)

(ख) आप **यहाँ** बैठिए। (यहाँ, कहाँ)

(ग) उसके पास **कितना** धन है। (कितना, कब)

(घ) श्रोतागण **ध्यानपूर्वक** नेताजी का भाषण सुन रहे थे। (ध्यानपूर्वक, धीरे से)

(ङ) **उतना** खाओ **जितना** पचा सको। (उतना, जितना, इतना)

(च) **कम** बोलो, मन लगाकर पढ़ो। (अधिक, कम)

2. शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

(क) कृतरिम –	**कृत्रिम**	(ख) निरमाण –	**निर्माण**
(ग) संगरह –	**संग्रह**	(घ) खरच –	**खर्च**
(ङ) परतीत –	**प्रतीत**	(च) करतव्य –	**कर्तव्य**
(छ) सरवथा –	**स्वस्थता**		

3. निम्न वाक्यों का एक शब्द लिखो–

(क) निर्माण करने वाला –	**निर्माता**	(ख) प्रेरणा देने वाला –	**प्रेरक**
(ग) स्थापना करने वाला –	**संस्थापक**	(घ) प्रचार करने वाला –	**प्रचारक**
(ङ) नेतृत्व करने वाला –	**नेतृत्वकर्ता**	(च) अनुसरण करने वाला –	**अनुयायी**

4. नीचे दिए गए शब्दों से तुक मिलाते हुए तीन-तीन शब्द लिखो–

(क) साथ –	**हाथ**	**नाथ**	**पाथ**
(ख) चना –	**बना**	**घना**	**चना**
(ग) गर्म –	**शर्म**	**कर्म**	**धर्म**
(घ) नाम –	**काम**	**दाम**	**शाम**
(ङ) बड़ा –	**घड़ा**	**सड़ा**	**पड़ा**
(च) यहाँ –	**वहाँ**	**कहाँ**	**जहाँ**

9 प्रायश्चित

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) कबरी बिल्ली घर में रामू की बहू से प्रेम करती थी।

(ख) कबरी बिल्ली का हौसला बढ़ जाने से रामू की बहू का घर में रहना मुश्किल हो गया और सास की मीठी झिड़कियाँ मिलती।

(ग) मिसरानी के अनुसार बिल्ली की हत्या आदमी की हत्या के बराबर है।

(घ) बिल्ली की हत्या का प्रायश्चित करवाने के लिए पंडित जी को बुलवाया गया।

2. सोचकर लिखो–

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि कबरी के मन से रामू की बहू का भय समाप्त हो गया जिस कारण कबरी उसके दैनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करने लगी।

(ख) पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या के पाप का प्रायश्चित सोने की बिल्ली बनवाकर उसे दान करने के लिए कहा।

(ग) इक्कीस तोला सोने की बात सुनकर रामू की माँ ने आँखें फाड़कर परमसुख की ओर देखा। पंडित परमसुख ने उन्हें समझाया कि इतना बड़ा पाप हुआ है उसके लिए खर्चा तो ज्यादा करना होगा।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) रामू की बहू की आयु कितनी थी?

बारह वर्ष ☐ चौदह वर्ष ☑ तेरह वर्ष ☐ पंद्रह वर्ष ☐

(ख) रामू की बहू के आने पर किसने पूजा-पाठ में मन लगाया?

बहू ने ☐ ससुर ने ☐ सास ने ☑ ननद ने ☐

(ग) इक्कीस दिन के पाठ के कितने रुपये तय हुए?

अट्ठारह रुपये ☐ बीस रुपये ☐ इक्कीस रुपये ☑ उन्नीस रुपये ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

पाँच-पाँच, प्रायश्चित, आदमी, बिल्ली, रबड़ी

(क) रामू की बहू **रबड़ी** से भरी कटोरी लेकर कमरे में पहुँची।

(ख) बिल्ली की हत्या और **आदमी** की हत्या बराबर है।

(ग) लाला घासीराम की पतोहू ने **बिल्ली** मार डाली।

(घ) शास्त्रों में **प्रायश्चित** का विधान है।

(ङ) इक्कीस दिन तक दोनों बखत **पाँच-पाँच** ब्राह्मणों को भोजन भी करवाना पड़ेगा।

5. निम्नलिखित वाक्य पढ़कर 'सही' अथवा 'गलत' लिखो–

(क) रामू की बहू चौदह वर्ष की बालिका थी। **सही**

(ख) बिल्ली फँसाने का कठघरा लाया गया। **सही**

(ग) बहू ने खीर का कटोरा नीचे खाट के पास रखा। **गलत**

(घ) रामू की बहू ने पतीला कबरी पर पलट दिया। **गलत**

(ङ) रामू की माँ को ग्यारह तोले सोने की बिल्ली बनवानी थी। **सही**

(च) महरी ने बताया कि बिल्ली उठकर भाग गई है। **सही**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित वाक्यों में कारक-चिह्न रेखांकित करके कारक का नाम लिखो–

(क) स्त्रियाँ बहू **से** सहानुभूति प्रकट कर रही थीं। **करण कारक**

(ख) एक दिन कबरी **को** मौका मिला। **कर्म कारक**

(ग) कबरी **के** हौसले बढ़ गए। **संबंध कारक**

(घ) कटोरा ऊँचे ताक **पर** रखा गया। **अधिकरण कारक**

(ङ) रामू **के लिए** खीर बनाई गई। **संप्रदान कारक**

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करो–

(क) मिसरानी – म् + इ + स् + अ + र् + आ + न + ई

(ख) रसोई – र् + अ + स् + ओ + ई

(ग) पंडित – प् + अ् + न् + ड् + इ + त् + अ

(घ) लोभ – ल् + ओ + भ् + अ

(ङ) लौटूँगा – ल् + औ + ट् + ऊँ + ग् + आ

3. 'न'/'नहीं'/'मत' शब्दों के उचित प्रयोग द्वारा रिक्त स्थान भरो–

(क) रात भर उसे नींद **नहीं** आई।

(ख) आज मेरा भोजन **मत** बनाना।

(ग) बिल्ली ने उधर निगाह तक **नहीं** डाली।

(घ) बिल्ली की हत्या कोई छोटा-मोटा पाप **नहीं** है।

(ङ) बात यहीं तक रह जाती तो भी बुरा **न** था।

4. दिए गए निर्देशानुसार वाक्य दोबारा लिखो–

(क) **हाय!** अनर्थ हो गया, रामू की बहू ने बिल्ली मार दी।

(ख) **क्या** तुम बिल्ली को पकड़ लोगी?

(ग) **अरे!** रुपये का लोभ बहू से बढ़ गया।

(घ) हाँ, **और क्या** पंडित जी ठीक कह रहे हैं।

(ङ) **तो** यह करना ही होगा।

10 दादा साहब फाल्के

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) घुंडिराज फाल्के का जन्म 30 अप्रैल, 1870 ई० में नासिक जिले के के त्र्यंबकेश्वर गाँव के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था।

(ख) उनके पिता मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज में अध्यापक नियुक्त होकर आए।

(ग) मुंबई के तंबू सिनेमाघर का नाम 'दि अमेरिका इंडिया सिनमैटोग्राम था।

(घ) फिल्म परफोरेटर का काम उनकी पत्नी सरस्वती ने सँभाला।

(ङ) फाल्के ने बावर्ची के सहायक युवक को अभिनेत्री बनाने का निर्णय लिया।

2. सोचकर लिखो–

(क) दादा साहब को फिल्म निर्माण में पात्र सम्बन्धित समस्याओं और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ा इसके अलावा भारत में फिल्म निर्माण के पर्याप्त साधन भी नहीं थे।

(ख) उस जमाने में किसी महिला से फिल्म में अभिनय करने के विषय में पूछना भी कठिन था और पुरुष पात्र ही स्त्री पात्रों की भूमिका निभाते थे।

(ग) फिल्म राजा हरिश्चंद्र में रोहिताश्व की साँप काटने से मृत्यु हो जाती है। इसलिए अंधविश्वास के चलते कोई भी माँ अपना सात-आठ साल का बेटा देने के लिए तैयार नहीं थी।

(घ) सन् 1910 में दादा साहब ने मुंबई के सेंडहर्स्टन रोड़ पर 'दि अमेरिका इंडिया' सिनेमैटोग्राम में 'क्राइस्ट का जीवन' विदेशी फिल्म देखी। जिसे देखकर वह सारी रात बेचैन रहे और यहीं से उनका रुझान फिल्म निर्माण की ओर हुआ।

(ङ) राजा हरिश्चन्द्र फिल्म में अभिनेता दबके, सालुंके व दादा साहब के पुत्र ने भूमिकाएँ की थी।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) पहली मूक फिल्म थी–

आलम आरा [ ] गंगावतरण [ ] कालिया मर्दन [ ] राजा हरिश्चंद्र [✓]

(ख) दादा साहब की पहली बोलती फिल्म थी–

राजा हरिश्चंद्र [ ] गंगावतरण [✓] लंकादहन [ ] कृष्णा-जन्म [ ]

(ग) कोरोनेशन थियेटर में 'राजा हरिश्चंद्र' फिल्म लगातार कितने दिन तक चली?

22 दिन [ ] 23 दिन [✓] 15 दिन [ ] 20 दिन [ ]

(घ) दादा साहब फिल्म बनाने के उपकरण कहाँ से लाये थे?

अमेरिका [ ] जापान [ ] इंग्लैण्ड [✓] चीन [ ]

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

वायस्कोप, तीन, जनक, फाल्के, रेस्तरां

(क) दादा साहब फाल्के भारत में सिनेमा कला के **जनक** थे।

(ख) फिल्म देखकर घर लौटे **फाल्के** सारी रात बेचैन रहे।

(ग) छह महीने तक फाल्के केवल **तीन** घंटे सोते थे।

(घ) फाल्के लंदन से छपने वाली पत्रिका **वायस्कोप** मँगाया करते थे।

(ङ) फाल्के निराश होकर एक **रेस्तरां** में बैठे थे।

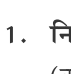

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करो–

(क) मैंने आपसे कहा था।

(ख) यह उचित नहीं है।

(ग) मुझे बाजार जाना है।

(घ) उसे कितने सेब लेने हैं?

(ङ) उसकी सारी मेहनत पर पानी फिर गया।

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाओ–

(क) उपकरण – **उपकरणों**
(ख) पत्रिका – **पत्रिकाओं**
(ग) कक्ष – **कक्षों**
(घ) फिल्म – **फिल्में**
(ङ) दाना – **दानें**

3. निम्नलिखित प्रत्ययों के दो-दो शब्द बनाओ–

(क) वान – **धनवान बलवान**
(ख) इया – **जयपुटिया रिजाईयाँ**
(ग) इक – **नाविक**
(घ) ईन – **जमीन नवीन**
(ङ) आनी – **मनमानी परेशानी**

11 प्यारे बच्चे

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) आसमान के तारों की तुलना बच्चों से की गई है।
(ख) बच्चों की आँखों में विकसित भारत की तस्वीर नजर आती है।
(ग) भारत माता की बिगड़ी तकदीर बच्चे बदल सकते हैं।
(घ) बच्चे के हृदय में कुछ बनने की प्रबल भावना होगी।

2. सोचकर लिखो–

(क) बच्चों को देश का भविष्य इसलिए कहा गया है, क्योंकि इनका स्वप्न भारत माता की बिगड़ी तकदीर बदलकर उसे विकसित राष्ट्र बनाने का है।
(ख) बच्चे ईर्ष्या और द्वेष की भावना को प्रेम की भाषा से समाप्त करके पापी को पापी को भी पुण्यात्मा में बदल सकते हैं।
(ग) बच्चे ईश्वर के प्रति आस्था, देश के लिए समर्पण की भावना, वीरता, कुछ बनने की प्रबल भावना और जाँत-पाँत से परे मिल-बाँटकर खाने की मिशाल देते हैं।
(घ) बच्चे भगवान का रूप होते हैं, इनके मन में किसी के प्रति राग-द्वेष नहीं होता। ये धर्म, जाति से ऊपर उठकर एक साथ रहते हैं इसी कारण बच्चे सभी की आँखों के तारे हैं।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

((क) बच्चों का मन कैसा होता है?
कठोर ☐ कोमल ☑ सामान्य ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ख) बच्चों के कारण धरती क्या कहलाती है?
स्वर्ग ☑ नरक ☐ दोनों ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ग) बच्चे किसका रूप होते हैं?
शैतान का ☐ ईश्वर का ☑ दुष्ट व्यक्ति का ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) बच्चों को कौन सी भाषा आती है?

प्रेम की ☑ नफरत की ☐ घृणा की ☐ ईर्ष्या की ☐

4. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) बच्चे अपने सरल स्वभाव और मासूमियत से धरती का वातावरण स्वर्ग के समान बना देते हैं, बच्चे किसी के प्रति राग, द्वेष, शत्रुता का भाव नहीं रखते हैं।

(ख) बच्चे अपने व्यवहार और प्रेम की भाषा से बुरे इंसान को भी अच्छा इंसान बना देते हैं।

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

(क) जैसे आसमान में हैं **लाखों, करोड़ों तारे**।
वैसे ही धरती पर हैं। ये बच्चे प्यारे-प्यारे।

(ख) नहीं है कमजोर ये बच्चे, **हैं बड़े वीर-धीर**।
आगे बढ़ते जाएँगें ये सारी बाधाओं को चीर।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. इसी प्रकार नीचे लिखे समस्त पदों को विग्रह में बदलो–

(क) प्रतिदिन – **हर दिन**
(ख) आजीवन – **जीवन भर**
(ग) प्रत्येक – **हर एक**
(घ) आकंठ – **कंठ तक**
(ङ) प्रतिक्षण – **हर क्षण**
(च) आमरण – **मरने तक**
(छ) यथाक्रम – **क्रम के अनुसार**

2. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

(क) असमना – **आसमान**
(ख) दरशनीय – **दर्शनीय**
(ग) ईश्वर – **ईश्वर**
(घ) कवित्री – **कवियत्री**
(ङ) दुरभावना – **दुर्भावना**
(च) बरफी ली – **बर्फीली**
(छ) देष – **द्वेष**

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

(क) प्रेम × **घृणा**
(ख) आस्था × **अनास्था**
(ग) धरती × **आकाश**
(घ) हराना × **जीतना**
(ङ) स्वर्ग × **नरक**
(च) गुण × **दोष**
(छ) पापी × **पुण्यवान**

4. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखो–

(क) व्यक्ति – **व्यक्तियों**
(ख) बड़ा – **बड़े**
(ग) बच्चा – **बच्चें**
(घ) भाई – **भाईयों**
(ङ) आँख – **आँखें**

12

दो प्रतिभाएँ

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ—

(क) नेहा समाज सेविका थी।

(ख) चित्र देखकर नेहा ने आरती से कहा कि चौरासी लाख योनियों में से आखिर यह किस जीव की तस्वीर बनाई है।

(ग) नेहा ने आरती के चित्र को उसकी बेवकूफी का प्रतीक बताया।

(घ) बच्चे की मृत्यु के दुख के कारण नेहा ने खाना नहीं खाया।

2. सोचकर लिखो—

(क) नेहा और आरती की कलाकारी में यह अंतर था कि नेहा एक समाज सेविका थी जबकि आरती एक चित्रकार थी।

(ख) सबसे मिलने के कारण आरती गुरुजी के घर से आते हुए लेट हो गई थी।

(ग) नेहा स्वयंसेवकों के दल के साथ पंद्रह दिन के लिए गई थी।

(घ) आरती के विदेश जाने की बातें सुनकर नेहा भिखारिन के बच्चों को लेने के लिए गई।

(ङ) तीन साल बाद जब आरती वापस आई तो वह नेहा के पास खड़े बच्चों को देखकर हैरान हो गई।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) नेहा कितने दिनों के लिए बाहर गई थी?

10 दिन [ ] 15 दिन [✓] 20 दिन [ ] 25 दिन [ ]

(ख) आरती को कौन से चित्र ने शोहरत दिलाई?

भिखारिन और उसके बच्चों के चित्र ने [✓] प्रकृति के चित्र ने [ ]

कन्फ्यूजन वाले चित्र ने [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

(ग) नेहा और आरती में क्या संबंध था?

मित्रता का [✓] मौसी का [ ] बहनों का [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

(घ) आरती की गाड़ी कितने बजे की थी?

चार बजे [ ] पाँच बजे [✓] छः बजे [ ] सात बजे [ ]

(ङ) भिखारिन वाले चित्र का शीर्षक क्या था?

बेघर [ ] अनाथ [✓] बिन माँ के बच्चे [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

हॉस्टल, ढिंढ़ोरा, कन्फ्यूजन, चाय, लिफाफा

(क) मुझे तो तेरे दिमाग का **कन्फ्यूजन** प्रतीत हो रहा है।

(ख) तू जाकर सारी दुनिया में **ढिंढ़ोरा** पीटना।

(ग) आरती **चाय** के लिए उसका इंतजार कर रही थी।

(घ) वह **लिफाफा** फाड़कर पत्र पढ़ने लगी।

(ङ) **हॉस्टल** से उसे बड़ी शानदार विदाई मिली।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे दिए वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय छाँटकर लिखो–

	उद्देश्य	विधेय
(क) आरती एक अच्छी चित्रकार है।	**आरती एक**	**अच्छी चित्रकार है।**
(ख) गंगा नदी हिमालय से निकलती है।	**गंगा नदी**	**हिमालय से निकलती है।**
(ग) नेहा की पढ़ाने में रुचि है।	**नेहा की**	**पढ़ाने में रुचि है।**
(घ) भारत एक विशाल देश है।	**भारत एक**	**विशाल देश है।**
(ङ) भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है।	**भारतीय संस्कृति**	**अति प्राचीन है।**
(च) दोनों बच्चे तस्वीर देख रहे हैं।	**दोनों बच्चे**	**तस्वीर देख रहे हैं।**

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखो–

(क) चिट्ठी – **पत्र** **खत** (ख) अमीर – **धनवान** **धनिक**

(ग) बालक – **वत्स** **तनय** (घ) परीक्षा – **परीक्षण** **जाँच**

(ङ) मित्र – **सखा** **स्नेही** (च) तस्वीर – **चित्र** **आकृति**

3. निम्नलिखित प्रत्यय लगाकर दो-दो शब्द बनाओ–

(क) वान – **ज्ञानवान** **धनवान** (ख) इक – **मासिक** **राजनीतिक**

(ग) ई – **जंगली** **पहाड़ी** (घ) हीन – **बलहीन** **धनहीन**

(ङ) मय – **प्रकाशमय** **मंगलमय** (च) मान – **बुद्धिमान** **विराजमान**

4. निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

(क) खराब × **अच्छा** (ख) समाप्त × **आरम्भ**

(ग) गलतफहमी × **खुशफहमी** (घ) इच्छा × **अनिच्छा**

(ङ) जिन्दगी × **मौत** (च) विदेश × **स्वदेश**

13

श्रीनिवास रामानुजन्

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) विख्यात गणित विशारद प्रोफेसर हार्डी ने उनकी विद्वत्ता को स्वीकार करते हुए लिखा था– ''यह अत्यधिक आश्चर्य का विषय है कि श्रीनिवास रामानुजन् ने अपने तैंतीस वर्ष के छोटे–से जीवन में ऐसे कठिन प्रश्नों को हल कर लिया, जिन्हें हल करने में यूरोप के बड़े–बड़े गणितज्ञों को भी सौ वर्ष से अधिक लग गए तथा उनमें से कुछ तो आज तक भी नहीं कर सके हैं।''

(ख) रामानुजन् के परिजन कुंभकोनम गाँव के निवासी थे तथा कपड़ा व्यापारियों के यहाँ मुनीमगिरी किया करते थे।

(ग) रामानुजन् के परिजन कुंभकोनम गाँव के निवासी थे तथा कपड़े व्यापारियों के यहाँ मुनीमगिरी किया करते थे।

(घ) एफ०ए० की परीक्षा में रामानुजन् इसीलिए उत्तीर्ण नहीं हो पाये क्योंकि उनका मन गणित के अलावा अन्य किसी विषय में नहीं लगता था।

(ङ) इंग्लैंड प्रवास के दौरान ही उन्हें रॉयल सोसाइटी का सदस्य बनाया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें ट्रिनिटी कॉलेज का फैलो नियुक्त किया गया।

2. सोचकर लिखिए–

(क) विवाहोपरांत रामानुजन् की आर्थिक चिंताएँ बढ़ गई थी। उन्होंने मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी की। वार्षिक छात्रवृत्ति पर वे इंग्लैंड गए। वहाँ जाकर वह दिमागी परिश्रम में लगे रहते तथा शारीरिक परिश्रम की ओर ध्यान न देने के कारण वे तपेदिक का शिकार हो गए और कभी पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए।

(ख) रामानुजन् के स्वभाव में बहुत सादगी थी। उनकी सादगी का पता इस बात से चलता है कि वे इंग्लैंड में भी अपना भोजन स्वयं बनाते थे। उन्होंने कभी धन एकत्र करने का प्रयास नहीं किया, यहाँ तक कि उन्होंने अपनी छात्रवृत्ति को गरीब विद्यार्थियों की सहायता के लिए खर्च कर दिया।

(ग) प्रोफेसर हार्डी एवं अन्य अंग्रेज विद्वान् रामानुजन् को इंग्लैंड बुलाने में इसलिए सफल न हो सके क्योंकि उन दिनों समुद्री यात्रा को अच्छा नहीं माना जाता था जिस कारण रामानुजन् के परिवार व बिरादरी के लोगों ने उन्हें जाने की अनुमति नहीं दी थी।

(घ) प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 26 फरवरी 1919 ई० को रामानुजन् लंदन से भारत रवाना हो गए क्योंकि उनका स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन खराब होता जा रहा था।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) रामानुजन् का जन्म किस तिथि को हुआ था?

22 दिसंबर ☑ 20 दिसंबर ☐ 21 दिसंबर ☐ 19 दिसंबर ☐

(ख) प्रोफेसर नेविल के अनुरोध पर रामानुजन् कहाँ रवाना हो गए?

जर्मनी ☐ फ्रांस ☐ इंग्लैंड ☑ इटली ☐

(ग) रामानुजन् कैसे व्यक्ति थे?

ईर्ष्यालु ☐ शंकालु ☐ क्रोधी ☐ उदार ☑

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

चेतपुर, 1909, ब्राह्मण, कुंभकोनम, मैथमैटिकल, निर्धन

(क) रामानुजन् का परिवार एक **निर्धन** किंतु कुलीन **ब्राह्मण** परिवार था।

(ख) **कुंभकोनम** हाईस्कूल से 1903 ई० में उन्होंने दसवीं कक्षा पास की।

(ग) सन् **1909** में रामानुजन् का विवाह कर दिया गया।

(घ) उनके कई लेख मद्रास की इंडियन **मैथमैटिकल** सोसायटी के पत्र में प्रकाशित हुए।

(ङ) 26 अप्रैल, 1920 ई० को मद्रास के पास **चेतपुर** नामक स्थान पर उनका स्वर्गवास हो गया।

5. निम्नलिखित वाक्य पढ़कर 'सही' अथवा 'गलत' लिखो—

(क) रामानुजन् का जन्म केरल में हुआ था? **गलत**

(ख) रामानुजन् का परिवार निर्धन था। **सही**

(ग) उनका मन केवल गणित पढ़ने में लगता था। **सही**

(घ) 1991 ई० में उनका विवाह कर दिया गया। **गलत**

(ङ) कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की। **सही**

(च) इंग्लैंड में वे तपेदिक के शिकार हो गए। **सही**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद करो—

(क) छात्रावास – **छात्र** + **आवास** (ख) विद्यार्थी – **विद्या** + **अर्थी**

(ग) देहांत – **देह** + **आंत** (घ) सर्वोत्तम – **सर्व** + **उत्तम**

(ङ) समयानुसार – **समय** + **अनुसार**

2. निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्द और प्रत्यय अलग करो—

(क) अधिकतर – **अधिक** + **तर** (ख) प्रभावित – **प्रभाव** + **इत**

(ग) विविधता – **विवध** + **ता** (घ) आग्रहपूर्वक – **आग्रहपूर्व** + **अक**

3. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो—

(क) एक सदी (ख) साहित्यिक (ग) विशेषज्ञ (घ) मितत्व्ययी (ङ) चिकित्सक

4. **उचित कारक-चिह्न का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थान भरिए तथा कारक का नाम भी लिखो—**

(क) वे भारत **के** महान गणितज्ञ थे। **करण कारक**

(ख) उनका जन्म तंजौ ज़िले **में** हुआ था। **अधिकरण कारक**

(ग) उन्होंने एफ०ए० की परीक्षा व्यक्तिगत रूप **से** दी। **करण कारक**

(घ) रामानुजन् **ने** अपने रहन-सहन में कोई परिवर्तन नहीं किया। **कर्ता कारक**

(ङ) उनके कार्यों **के** महत्व **को** स्वीकार किया गया। **करण कारक, कर्म कारक**

5. **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखो—**

(क) रामानुजन् का जन्म तमिलनाडु में हुआ था।

(ख) उन्हें गाँव की पाठशाला में पढ़ने के लिए भेजा गया।

(ग) विवाह होने पर उनकी आर्थिक चिंताएँ बढ़ गई।

(घ) उन्हें रॉयल सोसाइटी का सदस्य बनाया गया।

(ङ) गणित की संख्याएँ रामानुजन् की मित्र थीं।

14 तीन वरदान

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ—**

(क) लकड़हारा पेड़ के पास जाकर यह सोच रहा था कि यदि मैं इस पेड़ को काट लूँ तो मुझे इससे इतनी लकड़ी प्राप्त हो जाएगी की उसे बेचकर मैं मालामाल हो जाऊँगा।

(ख) पेड़ परी का घर था।

(ग) लकड़हारे के पेड़ काटने पर परी बेघर हो जाती।

(घ) परी ने लकड़हारे व उसकी पत्नी को वरदान दिये।

2. **सोचकर लिखो—**

(क) परी ने लकड़हारे से बताया कि पेड़ उसका घर है। वह इस पेड़ की परी है यदि पेड़ कट गया तो उसका आश्रय छिन जाएगा और वह मर जाएगी। इसलिए परी ने लकड़हारे को पेड़ काटने के लिए मना किया।

(ख) लकड़हारे ने अपनी पत्नी को यह खुशखबरी सुनाई कि उसे बहुत बड़ा खजाना मिल गया है। और अब वह बगैर कुछ किए ही धनी हो जाएगा।

(ग) लकड़हारे ने जोरों की भूख लगने पर पहले वरदान में हलवा मँगा लिया। जिस पर उसकी पत्नी ने क्रोधित होकर दूसरे वरदान में इच्छा की कि यह हलवा उसके पति की नाक से चिपक जाए। गरम हलवा नाक से चिपक जाने पर लकड़हारे ने तीसरे वरदान में कहा कि मेरी नाक

पर लगा यह गरम हलवा अभी छूछ जाए। इस प्रकार लकड़हारे व उसकी पत्नी की बेवकूफी से उनके तीनों वरदान व्यर्थ चले गये।

(घ) इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि जल्दबाजी में बिना सोचे-समझे लिया गया निर्णय हमारे लिए नुकसानदायक हो सकता है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) परी ने लकड़हारे को कितने वरदान दिये?

दो ☐ तीन ☑ चार ☐ पाँच ☐

(ख) पहले वरदान में लकड़हारे ने क्या माँग लिया?

खीर ☐ हलवा ☑ पूड़ी ☐ मिठाई ☐

(ग) दूसरे वरदान में पत्नी ने हलवा कहाँ चिपकाने के लिए कहा?

नाक पर ☑ आँख पर ☐ माथे पर ☐ हाथ पर ☐

(घ) पेड़ पर कौन रहता था?

देवता ☐ परी ☑ साधु ☐ राक्षस ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

आश्चर्यपूर्वक, उछल, लकड़हारा, लकड़ियाँ

(क) किसी गाँव में एक **लकड़हारा** रहता था।

(ख) एक दिन लकड़हारा जंगल में **लकड़ियाँ** काटने लगा।

(ग) लकड़हारा **आश्चर्यपूर्वक** चारों तरफ देखने लगा।

(घ) लकड़हारे की पत्नी पूरी घटना सुनकर **उछल** पड़ी।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित समस्त पदों के समास विग्रह लिखो—

(क) आज्ञानुसार – **आज्ञा के अनुसार**

(ख) गुरु दक्षिणा – **गुरु की दक्षिणा**

(ग) कुलश्रेष्ठ – **कुल में श्रेष्ठ**

(घ) लखपति – **लाखों का पति**

(ङ) गृहप्रवेश – **गृह का प्रवेश**

(च) सेनानायक – **सेना का नायक**

(छ) खुशखबर – **खुशी की खबर**

(ज) लोकसभा – **लोक की सभा**

(झ) पाठशाला – **पाठ की शाला**

(ञ) नीति निपुण – **नीति में निपुण**

2. निम्नलिखित विदेशी उपसर्ग के अर्थ सहित तीन-तीन उदाहरण लिखो—

	उपसर्ग		अर्थ	उदाहरण		
(क)	ब	–	**के साथ, से**	**बगैर**	**बखूबी**	**बनाम**
(ख)	ला	–	**नहीं**	**लाना**	**लाजवाब**	**लाइलाज**
(ग)	डिप्टी	–	**उप**	**डिप्टी कमिश्नर**	**डिप्टी सीएम**	**डिप्टी कलेक्टर**
(घ)	वाइस	–	**उप**	**वाइस कैप्टन**	**वाइसप्रिंसिपल**	**वाइस चांसलर**
(ङ)	कम	–	**थोड़ा**	**कमदिमाग**	**कमजात**	**कमतर**
(च)	गैर	–	**बिना**	**गैरजिम्मेदार**	**गैरहाजिर**	**गैरइरादतन**

3. **निम्नलिखित विशेषण की भाववाचक संज्ञा बनाओ–**

	विशेषण		भाववाचक संज्ञा		विशेषण		भाववाचक संज्ञा
(क)	गंदा	–	**गंदगी**	(ख)	कुटिल	–	**कुटिलता**
(ग)	कठोर	–	**कठोरता**	(घ)	अच्छा	–	**अच्छाई**
(ङ)	लंबा	–	**लंबाई**	(च)	गरम	–	**गरमाई**

4. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखो–**

(क)	खुशखबरी	×	**दुःखखबरी**	(ख)	बेकार	×	**बढ़िया**
(ग)	औरत	×	**पुरुष**	(घ)	मूर्ख	×	**बुद्धिमान**
(ङ)	वरदान	×	**अभिशाप**	(च)	सुख	×	**दुख**

15 पुण्यात्मा

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) काशी को आज वाराणसी के नाम से जाना जाता है।

(ख) काशी संस्कृत विद्या का पुराना केन्द्र है।

(ग) काशी में वहाँ के सभी विद्वान साधु और दूसरे पुण्यात्मा दानी लोग भी गंगा जी में स्नान करके मंदिर में दर्शन के लिए आये।

(घ) स्वर्णपत्र की सभा सोमवार के दिन हो रही थी।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) पुजारी ने स्वप्न देखा कि भगवान विश्वनाथ उससे मंदिर में विद्वानों तथा धर्मात्मा लोगों की सभा बुलाने को कह रहे हैं।

(ख) ब्राह्मण के हाथ में स्वर्ण-पत्र मिट्टी का इसलिए हो गया क्योंकि उन्होंने कई महीने लगातार चन्द्रायण–व्रत किया था।

(ग) दानी होने के बाद भी उस सज्जन व्यक्ति को स्वर्ण पत्र इसलिए नहीं मिला क्योंकि पुजारी को ऐसा लगा कि वह पद, मान, यश के लोभ से दान-पुण्य करते हैं।

(घ) बूढ़े किसान ने मंदिर आकर अपना कम्बल एक कोढ़ी को ओढ़ा दिया व उसको खाने के लिए अपना सत्तू दे दिया।

(ङ) पुजारी ने बूढ़े किसान से कहा कि यह स्वर्णपत्र तुम्हें विश्वनाथ जी ने दिया है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) भगवान विश्वनाथ की मूर्ति के पास मिला पत्र किस धातु का था?

चाँदी का ☐ सोने का ☑ हीरे का ☐ पन्ने का ☐

(ख) बूढ़े किसान ने कोढ़ी को क्या खाने को दिया?

पूड़ी-सब्जी ☐ मिठाई ☐ सत्तू ☑ इनमें से कोई नहीं ☐

(ग) काशी विश्वनाथ कौन से भगवान का मंदिर है?

गणेश जी ☐ हनुमान जी ☐ शंकर ☑ साँई बाबा ☐

(घ) इस कहानी में सबसे बड़ा पुण्यात्मा कौन था?

ब्राह्मण ☐ बूढ़ा किसान ☑ सज्जन व्यक्ति ☐ कोढ़ी ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

किसान, घाव, वाराणसी, त्यागी, कोढ़ी

(क) काशी को आज **वाराणसी** नाम से जाना जाता है।

(ख) पुजारी बड़े **त्यागी** और सच्चे भगवद् भक्त थे।

(ग) कोढ़ी के सारे शरीर में **घाव** थे।

(घ) बूढ़े किसान को **कोढी** पर दया आ गई

(ङ) **किसान** के हाथ में आते ही स्वर्ण-पत्र में जड़े रत्न दुगने प्रकाश से चमकने लगे।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर उनके अर्थ को समझो—

(क) अमूल्य – **जीवन ईश्वर का अमूल्य उपहार है।**

(ख) बहूमूल्य – **छात्र ने शिक्षक ने छात्र को बहूमूल्य भेंट प्रदान की।**

(ग) सम्राट – **अशोक प्राचीन भारत के सम्राट थे।**

(घ) रास – **अमित को बैंगलोर का वातावरण रास आ गया है।**

(ङ) पाप – **धर्मविरुद्ध आचरण करके व्यक्ति पाप का भागी बनता है।**

(च) अपराध – **चोरी करना एक दण्डनीय अपराध है।**

(छ) आदेश – **प्रजा राजा का आदेश मानती है।**

(ज) आज्ञा – **हमें बड़ों की आज्ञा माननी चाहिए।**

2. नीचे लिखे शब्दों के समान तुक वाले चार-चार शब्द लिखो—

(क) भीड़	–	**रीढ़**	**चीड़**	**पीड़**
(ख) किसान	–	**मेहमान**	**सामान**	**ध्यानज्ञान**
(ग) त्यागी	–	**बैरागी**	**सुहागी**	**अभागी**
(घ) मिट्टी	–	**चिट्टी**	**पिट्टी**	**लिट्टी**
(ङ) कहानी	–	**दहानी**	**जहानी**	**शहानी**
(च) पुण्यात्मा	–	**परमात्मा**	**देवात्मा**	**महात्मा**

3. निम्न संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाओ–

(क) इतिहास – **ऐतिहासिक** (ख) सप्ताह – **साप्ताहिक**

(ग) जीव – **जैविक** (घ) आत्मा – **आत्मिक**

(ङ) ग्राम – **ग्रामीण** (च) दान – **दानी**

4. निम्नलिखित शब्दों के आगे उनके लिंग का प्रकार लिखो–

(क) अध्यापक – **पुल्लिंग** (ख) हीरा – **पुल्लिंग**

(ग) प्रधानमंत्री – **स्त्रीलिंग व पुल्लिंग दोनों** (घ) गोदावरी – **स्त्रीलिंग**

(ङ) हिमालय – **पुल्लिंग** (च) चतुर्थी – **स्त्रीलिंग**

(छ) चिकनाई – **स्त्रीलिंग**

16 प्रेम का महत्व

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) प्रेम के माध्यम से शत्रुता के गहरे गड्ढे को भरा जा सकता है।

(ख) तीसरे पद्यांश में कवि गिरे हुए को उठाने अर्थात् गलत रास्ते पर चलने वालों को सही मार्ग पर लाने की बात कह रहा है।

(ग) गलत राह पर जाने वाले व्यक्ति को प्रेम के माध्यम से सही राह पर लाया जा सकता है।

(घ) दुस्साहसी व्यक्ति भी प्रेमपूर्ण व्यवहार के सामने इसलिए झुक जाता है, क्योंकि प्रेम के अन्दर बड़ी शक्ति होती है।

2. सोचकर लिखो–

(क) हृदय का स्नेह मित्र, परिवार, सगे-संबंधी, शत्रु, अपरिचित असहायों और जीव-जंतुओं पर उडेला जा सकता है।

(ख) स्नेह युक्त शब्दों से किसी भी प्रकार की नाराजगी, क्रोध को शांति किया जा सकता है, परन्तु कठोर वचनों द्वारा ऐसा करना सम्भव नहीं है।

(ग) कवि भिखारी और ईश्वर की शपथ के माध्यम से मनुष्य के व्यवहार में प्रेम, दया की भावना का समावेश करने का प्रयास कर रहा है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) 'गिरे हुए को उठाना' वाक्य के लिए कवि ने किस शब्द का प्रयोग किया है?

न्यारा जतन ☐ प्यारा जतन ☑ गहरा जतन ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ख) प्यार भरी आँखों से देखने में दुस्साहस कैसे होते हैं?

पीले ☑ नीले ☐ काले ☐ हरे ☐

(ग) कवि मनुष्य को किसी से क्या नहीं करने को कह रहा है?
सख्त बात ☑ मीठी बात ☐ निंदा ☐ झूठी बात ☐

(घ) भिखमंगा स्नेह की क्या माँग रहा है?
मदद ☐ भीख ☑ ज्ञान ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ङ) गलत राह पर चलने वाले व्यक्ति को सही राह पर कैसे लाया जा सकता है?
प्यार से समझाकर ☑ डाँटकर ☐ दंड देकर ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

4. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि हमें किसी के मान सम्मान पर आँच नहीं आने देनी चाहिए।
(ख) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि शत्रुता के गहरे गड्ढे को प्यार से भरा जा सकता है।
(ग) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि तुम्हें अपने भगवान की सौगंध है। अपनी वाणी में मिठास लाओ और कटुता का त्याग करो।

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

(क) तो सख्त बात **कह उठने की**,
तेरी जिह्वा से हो न भूल।

(ख) कितना भी भ्रष्ट जमाना हो,
हर समय प्यार भा सकता है।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे दिये गए समस्त पदों का समास विग्रह करो–

(क) चौराहा – **चार राहों का समूह**
(ख) अठन्नी – **आठ आनों का समाहार**
(ग) दोपहर – **दो पहरों का समाहार**
(घ) नवरात्रि – **नौ रातों का समूह**
(ङ) त्रिमूर्ति – **तीन मूर्तियों का समूह**
(च) नवरत्न – **नौ रत्नों का समूह**
(छ) चतुर्भुज – **चार भुजाओं वाला**

2. नीचे दिये गये शब्दों से तीन-तीन शब्द बनाओ–

(क) भला	–	**भलाई**	**भलापन**	**भला मानस**
(ख) साहस	–	**साहसिक**	**साहस मानस**	**साहसी**
(ग) दीन	–	**दीनदयाल**	**दीनहीन**	**दीनदुखियों**
(घ) यश	–	**यशगान**	**यशस्वी**	**यशहीन**

3. निम्न शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

(क) प्रतिज्ञा – **प्रण** **वचन**
(ख) रज – **मिट्टी** **मृदा**
(ग) दरिद्र – **गरीब** **दीन**
(घ) मित्र – **दोस्त** **सखा**
(ङ) शत्रु – **विपक्षीगण** **दुश्मन**

4. निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

(क) सख्त × **नरम**
(ख) गहरा × **सतही**
(ग) शत्रु × **मित्र**
(घ) दीन × **सुखी**
(ङ) परिचित × **अपरिचित**
(च) गलत × **सही**
(छ) स्नेह × **घृणा**
(ज) थोड़ा × **अधिक**

17 बड़ी माँ

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) मनीष अपने बड़े पापा से रेलगाड़ी मँगा रहा था।
(ख) उसने रेलगाड़ी में बड़ी माँ को बिठाने से मना कर दिया।
(ग) बाबू रामजीलाल कपड़े की आढ़त के साथ-साथ लेने-देन का भी काम करते हैं।
(घ) शीला ने सारा द्वेष भूलकर उन दोनों बच्चों को गले से लगा लिया।
(ङ) मनीष छज्जे पर पतंग लेने गया था।

2. सोचकर लिखो–

(क) शीला उत्तेजित होकर कहती है– ''बड़ी बातें बनाना बहुत आता है। तुम्हारा भतीजा है तुम चाहे जो समझो पर मुझे ये बातें अच्छी नहीं लगतीं।
(ख) शीला संतान न होने के कारण चिंता में डूबी हुई थी।
(ग) शीला को बच्चों के हवा में उड़ते हुए उनके बाल, कमल की तरह खिले हुए उनके नन्हें-नन्हें चेहरे, उनकी प्यारी-प्यारी तोतली बातें, उनका चिल्लाना, भागना, लौट जाना आदि क्रीडाएँ उसके हृदय को शीतल कर रही थीं। इसलिए शीला को बच्चों का खेलना अच्छा लग रहा था।
(घ) मनीष जब छज्जे पर चढ़ा उस समय शीला जहाँ खड़ी हुई थी, वहाँ पर केवल एक दरवाजा था, जिससे छज्जे पर आ जा सकते थे। शीला उस दरवाजे से सटी हुई खड़ी थी।
(ङ) जब मनीष मुँडेर पकड़कर लटक गया तो शीला के मन में आया कि अच्छा है, मरने दो, सदा का पाप कट जायेगा। यही सोचकर उसने मनीष को नहीं बचाया।
(च) बाद में शीला इसलिए पछता रही थी अगर वह चाहती तो मनीष को बचा सकती थी।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) बड़ी माँ ने मनीष को कहाँ से ढकेल दिया?
गोद से [✓] कुरसी से [ ] सोफे से [ ] चारपाई से [ ]
(ख) शीला ने पराया धन किसको कहा?
भाई को [✓] भतीजे को [ ] देवरानी को [ ] भतीजी को [ ]
(ग) पतंग छज्जे से होती हुई कहाँ जा गिरी?
आँगन में [✓] छत पर [ ] मैदान में [ ] बगीचे में [ ]
(घ) अब मनीष शीला का क्या हो गया था?
प्यारा [ ] प्राणाधार [✓] दोनों [ ] दोनों में से कोई नहीं [ ]

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—**

भृकुटी, गोद, चिढ़ी, क्रोध, ममत्व

(क) बड़ी माँ उस समय कुछ **चिढ़ी** हुई-सी बैठी थी।

(ख) शीला ने मनीष को अपनी **गोद** से ढकेल दिया।

(ग) बाबू साहब के मुख पर **क्रोध** का भाव झलक आया।

(घ) मनुष्य का हदय बड़ा **ममत्व** प्रेमी होता है।

(ङ) मनीष को देखकर शीला की **भृकुटी** तन गई।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. **नीचे दिए गए वाक्यों को उचित विस्मयादिबोधक शब्दों से पूरा करो—**

(क) **शाबाश** ! तुमने प्रशंसनीय कार्य किया है।

(ख) **अरे** ! ये क्या हो गया?

(ग) **उफ** ! कितनी गरमी है।

(घ) **अरे** ! तुम मंदिर में जूते लेकर जा रहे थे।

(ङ) **वाह** ! कितना सुंदर बच्चा है।

(च) **अरे**! तुम्हें शर्म नहीं आती।

(छ) **वाह** ! कितना बड़ा मगरमच्छ।

(ज) **शाबाश** ! मुझे तुमसे ऐसी ही उम्मीद थी।

(झ) **उफ**! मेरा सिर दर्द से फटा जा रहा है।

2. **नीचे लिखे शब्दों के वचन बदलो—**

(क) पतंग – **पतंगें**

(ख) आशा – **आशाएँ**

(ग) पुत्र – **पुत्रों**

(घ) स्त्री – **स्त्रियाँ**

(ङ) आँख – **आँखें**

(च) घर – **घरों**

3. **नीचे लिखे शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो—**

(क) महिला – **स्त्री**

(ख) सदन – **आवास**

(ग) स्वामी – **राजा**

(घ) लालसा – **कामना**

(ङ) आत्मजा – **पुत्री**

(च) सुत – **पुत्र**

4. **नीचे अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द दिये गए हैं, उन्हें उचित स्थान पर लिखो—**

दिनों दिन, आजीवन, साप्ताहिक, मासिक, दैनिक, शताब्दी

(क) प्रति सप्ताह होने वाला – **साप्ताहिक**

(ख) महीने में एक बार होने वाला – **मासिक**

(ग) जीवन पर्यंत होने वाला – **आजीवन**

(घ) प्रतिदिन होने वाला – **दैनिक**

(ङ) दिन ही दिन में – **दिनों दिन**

(च) सौ वर्षों का समय – **शताब्दी**

18 सच्चा कवि

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) मंत्री ने राज्य में यह मुनादी करा दी कि ''हमें अपने दरबार के लिए एक कवि की जरूरत है, जो सचमुच कवि हो।

(ख) मंत्री ने राजा की सेवा में एक हजार एक कवियों की सुनाम-सूची महाराज की सेवा में उपस्थित की।

(ग) छह महीने बाद महाराज एक हजार एक कवियों के कैदखाने में गए और उन सबकी तलाशी की आज्ञा दी।

(घ) सच्चा कवि किसी की गुलामी स्वीकार नहीं करता।

(ङ) सच्चे कवि के लिए सुख और दुःख दोनों बराबर हैं।

2. सोचकर लिखो–

(क) महाराज ने कैदखाने जाकर सबकी तलाशी की आज्ञा दी जिनमें से एक सौ एक कवि ऐसे निकले जिन्होंने बंदीगृह की कड़ी यातनाओं के बीच रहते हुए भी पहरेदारों से छिपा-छिपाकर और महाराज को पता लगने पर मिलने वाले दंड को भुलाकर, कविता की थी।

(ख) एक सौ कवियों को रहने के लिए अपना मोर महल दिया गया।

(ग) सच्चे कवि के चुनाव के लिए महाराज ने कई प्रकार की परीक्षाएँ ली। जैसे कुछ कवि जो नाम के भूखे थे, कुछ रासरंग में लीन रहते थे, कुछ दुःख के दिनों के कवि थे। महाराज ने देखा केवल एक व्यकि त ऐसा था जिसने मोर महल की इंद्र सभाओं में भाग नहीं लिया था। महाराज ने उस साधु स्वभाव, लापरवाह आदमी की तरफ इशारा करके कहा, ''यह सच्चा कवि है जिसके लिए दुःख और सुख दोनों बराबर हैं।''

(घ) राजा के दरबार में कवि ने चौथे दिन आने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि वह किसी की गुलामी नहीं कर सकता था।

(ङ) दरबार आने के लिए मना करने के बावजूद राजा ने कवि के लिए कहा कि यह आदमी दरबार में आए या ना आए इसकी तनख्वाह हमेशा इसके घर पहुँचती रहे।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) मंत्री ने कितने कवियों की सूची महाराज को सौंपी?

एक हजार एक ☑ एक सौ एक ☐ इक्कीस ☐ एक ☐

(ख) मंत्री ने कितने दिनों तक एक हजार एक कवियों की कविताएँ सुनी?

ग्यारह ☐ इक्कीस ☑ बाइस ☐ तेइस ☐

(ग) छिप-छिप कर कैदखाने में कितने कवियों ने कविताएँ लिखीं?

एक ☐ ग्यारह ☐ एक सौ एक ☑ एक हजार एक ☐

(घ) एक सौ कवि किस समय के कवि थे?

सुख के दिनों के	☐	दुःख के दिनों के	☑
सुख और दुःख दोनों के	☐	किसी के नहीं	☐

(ङ) कविता के लिए हमारे मन में कैसा भाव होना चाहिए?

समर्पण का ☑ क्रोध का ☐ उदासीनता का ☐ कोई नहीं ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

तीन, अफसोस, काव्य, कविताएँ

(क) अब वहाँ न तो एक कवि था न ही **काव्य** की चर्चा करने वाला।

(ख) लोग उन अभागों की कहानियाँ सुनकर उनके हाल पर **अफसोस** करते थे।

(ग) वह एकांत में बैठकर आप ही अपनी **कविताएँ** पढ़कर खुश होता था।

(घ) कवि ने दरबार में जाकर **तीन** दिन दोहा सुनाया।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों में कारक बताओ–

(क) इन लोगों <u>से</u> ऐशो-आराम की सभी चीजें छीन लो। – **अपादान कारक**

(ख) लोग उन अभागों <u>के</u> संकट की कहानियाँ सुनते थे। – **सम्प्रदान कारक**

(ग) बलवान आदमी ने कोड़े <u>से</u> मारा। – **करण कारक**

(घ) नौजवान मंत्री <u>ने</u> नगर में मुनादी करा दी। – **संबंध कारक**

(ङ) कविता में मन <u>को</u> मोह लेने वाले अलंकार थे। – **सम्प्रदान कारक**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम या विपरीत लिंग वाले शब्दों का मिलान करो–

(क) कहानी	(i) कवयित्री
(ख) राजा	(ii) दुःख
(ग) कवि	(iii) जागना
(घ) सुख	(iv) कविता
(ङ) सोना	(v) रंक

(Matched by arrows: (क)→(iv), (ख)→(v), (ग)→(i), (घ)→(ii), (ङ)→(iii))

3. निम्नलिखित के वचन बदलो–

(क) मंत्री – **मंत्रियों** (ख) शब्द – **शब्दों**

(ग) कपड़ा – **कपड़े** (घ) भाव – **भावों**

(ङ) महीना – **महीने**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ–

(क) मुनादी – **मंत्री ने नगर में मुनादी करा दी।**

(ख) ऐशो-आराम – **पैसे वाले ऐशो-आराम से रहते हैं।**

(ग) संकट – **हमें संकट का सामना धैर्यपूर्वक करना चाहिए।**

(घ) उद्गार – **कवि ने कहा मैं उद्गारों गुलाम हूँ किसी की मरजी का नहीं।**

(ङ) बहार – **बसंत ऋतु की बहार चल रही है।**

19 ताँत्या टोपे का बलिदान

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ—

(क) सरदार के अनुसार भारतीयों में एकता नहीं है, इसलिए सफलता की आशा बहुत थोड़ी है।

(ख) राव साहब ने कहा हमें अब अंग्रेजों के सम्मुख युद्‌ध नहीं करना है। हम तभी लड़ेंगे जब समझेंगे कि शत्रु हमारी ओर से सचेत नहीं है। हमें अपनी शक्ति की रक्षा करनी है, साथ ही राजाओं और जनता से संपर्क स्थापित करना है।

(ग) अंग्रेज भारत में आकर यहाँ के व्यक्तियों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार कर रहे थे।

(घ) ताँत्या टोपे को अंग्रेजों के विरुद्‌ध लड़ने के कारण फाँसी की सजा सुनाई गई।

(ङ) ताँत्या टोपे के अनुसार शरीर को कैद किया जा सकता है लेकिन मन को नहीं। कभी इसी प्रकार भारत माता को भी आजादी मिलेगी।

2. सोचकर लिखिए—

(क) ताँत्या टोपे ने कहा राजनीति से बढ़कर एक और नीति होती है। मैं तो उसी का अनुयायी हूँ। मुझे तो अब आशा है कि यदि भारत की जनता मेरा साथ दें, तो मैं उन गोरों को सागर पार करा सकता हूँ।

(ख) सरदार और ताँत्या टोपे के विचार सकारात्मक थे। उनका मानना था यदि हमें युद्ध में सफलता न मिली तो भी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेंगे।

(ग) राव साहब पेशवा ने कहा हमारी शक्ति कम है इस बात को देखकर हमें अब अंग्रेजों के सम्मुख युद्‌ध नहीं करना है। हम तभी लड़ेंगे जब समझेंगे कि शत्रु हमारी ओर से सचेत नहीं है।

(घ) दूत ने ताँत्या टोपे से कहा कि यहाँ कोई अंग्रेज सेना नहीं है, पर जल्दी ही एक बड़ी सेना आ जाएगी। उनके आने से पहले हमें कुछ सोचना पड़ेगा। दूत धोखा देकर ताँत्या को अंग्रेज अधिकारी के सामने ले जाता है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) ''लड़ते हुए मरेंगे तो स्वर्ग प्राप्त होगा''– कहाँ लिखा है?

कुरान में ☐ गीता में ☑ बाइबल में ☐ गुरुग्रंथ साहिब में ☐

(ख) अंग्रेज़ ने जासूस को कितने रुपये बक्शीश में दिए?

दस रुपये ☐ दो रुपये ☐ पाँच रुपये ☑ बीस रुपये ☐

(ग) शत्रु की सेना के पास कितनी तोपें थीं?

चार ☑ पाँच ☐ तीन ☐ छह ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

अवसर, झाँसी, सागर, फिरंगी, तैयार

(क) कई दिनों से **फिरंगी** हमारा पीछा कर रहे हैं।

(ख) अब कुछ सोचने का **अवसर** मिला है।

(ग) मैं अब भी लड़ने को **तैयार** हूँ।

(घ) **झाँसी** के युद्ध में शहीद हो जाना चाहिए था।

(ङ) पहले बूँद-बूँद कर **सागर** बन जाने दो।

5. किसने-किससे कहा?

		किसने कहा?	**किससे कहा?**
(क)	मैं महारानी के साथ बराबर अंग्रेज़ों से लड़ता रहा।	– **सरदार ने**	**सेनापति से**
(ख)	राजनीति से भी बढ़कर एक और नीति होती है।	– **ताँत्या टोपे ने**	**सरदार से**
(ग)	दूत अवध्य होता है।	– **राव साहब पेशवा ने**	**सेनापति से**
(घ)	फाँसी के पहले बेड़ी काटने का रिवाज़ है।	– **जल्लाद ने**	**लुहार से**
(ङ)	अंग्रेज़ों की एक टुकड़ी बहुत ही पास आ गई है।	– **दूत ने**	**सेनापति से**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ–

(क) आँख उठाना – **नुकसान पहुँचाने की कोशिश करना**
आजकल घाटी में आतंकवादी फिर से आँख उठाने लगे हैं।

(ख) आस्तीन का साँप – **धोखेबाज**
अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतन्त्रता संग्राम में भारत के गद्दार आस्तनी के साँप थे।

(ग) छक्के छुड़ाना – **हरा देना**
भारतीय सैनिकों ने युद्ध में अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये।

(घ) लोहा मानना – **प्रभाव स्वीकार करना**
रानी लक्ष्मीबाई की वीरता का अंग्रेज लोहा मानते थे।

2. निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखो–

(क)	अँधेरा –	**अँधकार**	(ख)	अचरज –	**आश्चर्य**
(ग)	ऊँचा –	**उच्च**	(घ)	दिन –	**दिवस**
(ङ)	सपना –	**स्वप्न**	(च)	आग –	**अग्नि**
(छ)	आँख –	**अक्षि**	(ज)	पाँच –	**पँच**

3. निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य लिखो–

(क) शत्रु की सेना के पास कितनी तोपे हैं?

(ख) भारतवासी देश को कैसा देखना चाहते हैं?

(ग) हमें क्या नष्ट नहीं करना है?

(घ) चारों तरफ़ की झाड़ियाँ किसने रौंदी हैं?

4. **निम्नलिखित श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाओ–**

(क) अवधि – **समय :** रेलगाड़ी निर्धारित अवधि में कानपुर पहुँच जाएगी।

अवधी – **भाषा :** लखनऊ में आज भी अवधी बोली जाती है।

(ख) अन्य – **व्यक्ति** या **वस्तु :** सुशीला के लिए उसके पुत्र से प्रिय संसार में अन्य वस्तु न थी।

अन्न – **गेहूँ :** मैंने आज अन्न का एक भी दाना नहीं खाया।

(ग) दिन – **दिवस :** आज वह पूरे दिन से घर की सफाई का काम कर रहा है।

दीन – **गरीब :** सुदामा बड़ी ही दीन दशा में कृष्ण के पास आए थे।

(घ) पवन – **वायु :** तेज वायु बादलों को उड़ा ले जाती है।

पावन – **पवित्र :** दीपावली के पावन अवसर पर हम लक्ष्मी-गणेश की पूजा करते हैं।

20 रहीम के दोहे

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) सच्चा मित्र विपत्ति के समय सहायता करता है।

(ख) मन की व्यथा को मन में इसलिए रखना चाहिए, क्योंकि कुछ व्यक्ति व्यथा को बाँटने के स्थान पर उपहास करते हैं।

(ग) कवि चंदन के वृक्ष और सर्प के माध्यम से यह दर्शाना चाहता है कि जिस प्रकार सर्प प्रत्येक क्षण चंदन के वृक्ष पर लिपटे रहते हैं परन्तु सर्प के विष का उस ऊपर कोई प्रभाव नहीं पड़ता उसी प्रकार सज्जन व्यक्ति पर कुसंगति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

(घ) सूईं के द्वारा हम सिलाई करते हैं।

2. **सोचकर लिखिए–**

(क) जिस प्रकार धागे में अगर गाँठ पड़ जाए तो उसमें पहले जैसी मजबूती नहीं रहती है उसी प्रकार संबंधों खराब होने से दोबारा उनमें पहले जैसी बात नहीं रहती।

(ख) जिस प्रकार धरती अपने ऊपर पड़ने वाली वर्षा, गर्मी, सर्दी को सहन करती है उसी प्रकार मनुष्य को कष्टों को धैर्यपूर्वक सहन करना चाहिए।

(ग) जिस तरह वृक्ष अपना फल स्वयं नहीं खाते व तालाब अपना पानी स्वयं नहीं पीते दोनों अपने माध्यम से मनुष्यों की भूख, प्यास को शान्त करते हैं उसी प्रकार सज्जन व्यक्ति भी दीन-दुखियों की सहायता करते हैं।

(घ) जिस प्रकार दूध फटने की पश्चात् उसे कितना ही मथा जाए उससे मक्खन नहीं बन सकता उसी प्रकार बात बिगड़ने के पश्चात् अनेक यत्नों के बाद भी बात नहीं बनती।

(ङ) रहीम के अनुसार जो दीन-दुखियो की सहायता करता है वह व्यक्ति ईश्वर के समान हो सकता है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) साँप कौन-से पेड़ पर लिपटे रहते हैं?

शीशम ☐ सागौन ☐ चंदन ☑ आम ☐

(ख) छोटी वस्तु का भी महत्व क्यों है?

वह उपयोगी होती है। ☑ वह कम स्थान घेरती है। ☐

उसका मूल्य कम होता है। ☐ इनमें से कोई नहीं। ☐

(ग) भुजंग का अर्थ लिखो–

हिरन ☐ जानवर ☐ साँप ☑ मक्खी ☐

(घ) कुसंगति का प्रभाव कैसे व्यक्ति पर नहीं पड़ता?

जो बहुत समझदार होता है। ☐ जो बहुत शांत होता है। ☐

जो बहुत गंभीर होता है। ☐ सभी ठीक हैं। ☑

(ङ) कौन अपना फल स्वयं नहीं खाता?

जानवर ☐ पेड़ ☑

फल विक्रेता ☐ इनमें से कोई नहीं। ☐

4. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि वृक्ष कभी-भी अपना फल नहीं खाता और तालाब अपना पानी नहीं पीता।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि चंदन के वृक्ष पर हर समय सर्प लिपटे रहते हैं, फिर भी वृक्ष पर विष का असर नहीं होता है।

(ग) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि जहाँ सुई काम कर सकती है वहाँ तलवार काम नहीं कर सकती।

5. दोहों की पंक्तियाँ पूरी करो–

(क) रहिमन पानी राखिए, **बिन पानी सब सून** ।
पानी गए न उबरै, मोती मानुष चून।।

(ख) रहिमन धागा प्रेम का, **मत तोड़ो चटकाय**।
टूटे से फिर ना जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे दिए वाक्यों में संबंधबोधक शब्द भरो–

(क) संतोष **से बड़ा** सुख नहीं है।

(ख) साँप पानी **के अंदर** रहता है।

(ग) चंदन के पेड़ **के ऊपर** साँप लिपटे रहते हैं।

(घ) विद्या **के बिना** जीवन व्यर्थ है।

(ङ) सुई **के द्वारा** हम सिलाई करते हैं।

(च) नदी **के किनारे** बहुत सारे वृक्ष हैं।

(छ) हमारे घर **के समीप** एक बहुत बड़ा बगीचा है।

(ज) राम श्याम के कमरे **के अंदर** पढ़ रहा है।

2. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखो–**

(क) नैन –	**नेत्र**	**चक्षु**	(ख) साँप – **भुजंग** **सर्प**
(ग) जल –	**पानी**	**नीर**	(घ) गज – **गजराज** **हाथी**
(ङ) वृक्ष –	**पेड़**	**तरु**	(च) मनुष्य – **मानव** **मानुष**

3. **नीचे दिए गए शब्दों के हिंदी पर्याय लिखो–**

(क) तरवारि	–	**तलवार**	(ख) ऊबरै	–	**रक्षा करना**
(ग) मुक्ताहार	–	**मोतियों का हार**	(घ) मानुष	–	**मनुष्य**
(ङ) फिरि-फिरि	–	**बार-बार**	(च) सरवर	–	**तालाब**

4. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–**

(क) दुर्जन	×	**सज्जन**	(ख) दृश्य	×	**अदृश्य**
(ग) अपकार	×	**उपकार**	(घ) अनुदार	×	**उदार**
(ङ) घृणा	×	**प्रेम**	(च) निवृत्ति	×	**प्रवृत्ति**
(छ) सनाथ	×	**अनाथ**	(ज) विचलित	×	**शांत**

21 सेवाभाव

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) मि० शर्मा को देखकर चौधरी साहब ने राम-राम बाबूजी कहकर उनका अभिवादन किया।

(ख) चौधरी साहब सोनपुर के बंशीलाल जी थे।

(ग) मि० शर्मा और चौधरी साहब की मुलाकात मंदिर में हुई थी।

(घ) मि० शर्मा रेलवे में एक स्टेशन मास्टर थे।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) मि० शर्मा चौधरी साहब से यह कहकर कि मुझे डेढ़ माह के प्रशिक्षण पर बाहर जाना है। यदि आप हमारे घर रहते तो यह प्रशिक्षण का समय आराम से निकल जाता।

(ख) अपनी पत्नी की मृत्यु से दुखी होकर चौधरी साहब ने अपना घर-बार छोड़ दिया।

(ग) चौधरी साहब के बारे में जानकर सीता को बहुत दुःख हुआ। वह सोच रही थी कि वे कैसे निकृष्ट लोग होते हैं जो बुजुर्गों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते।

(घ) काका जी ने मि० शर्मा से कहा डेढ़ माह के बाद मुझे वापस मंदिर लाना होगा इस शर्त को मानने पर वह रहने को तैयार हुए।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) सीता प्रसाद में क्या बाँट रही थी?

बरफी ☐	लड्डू ☑	जलेबी ☐	पेड़े ☐

(ख) चौधरी साहब कहाँ के रहने वाले थे?

सीतापुर ☐	मिर्जापुर ☐	सोनपुर ☑	रौनकपुर ☐

(ग) मि० शर्मा चौधरी साहब के साथ कहाँ घूमने जाते थे?

बागों में ☐	मंदिर में ☐	खेतों में ☑	पार्क में ☐

(घ) हाकिम, हुक्मरान से मेल-मिलाप कौन रखता था?

मि० शर्मा ☐	चौधरी साहब ☑	सीता ☐	इनमें से कोई नहीं ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

स्कूटर, घनिष्ठता, चाय, समृद्धि, सघन

(क) इसी बीच चपरासी बाजार से **चाय** ले आया था।

(ख) मि० शर्मा और चौधरी जी की अत्यधिक **घनिष्ठता** हो गई थी।

(ग) बुजुर्गों की दुआ से घर में सुख, चैन, **समृद्धि** आती है।

(घ) बुजुर्ग परिवार के सिर पर शीतल, **सघन** छाया होते हैं।

(ङ) **स्कूटर** की आवाज़ सुनकर सीता फुर्ती से बाहर निकली।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित शब्दों का क्रम व्यवस्थित कर वाक्य का रूप दो–

(क) सोनपुर के चौधरी बाबू है वे – **वे सोनपुर के चौधरी बाबू हैं।**

(ख) बाजार से ले आया था चपरासी चाय – **चपरासी बाजार से चाय ले आया था।**

(ग) गुलाबी धूप बड़ी सुहानी सूरज की थी – **सूरज की गुलाबी धूप बड़ी सुहानी थी।**

(घ) आजकल इसी नगर में नियुक्ति है मेरी – **आजकल मेरी नियुक्ति इसी नगर में है।**

(ङ) अपने हाथ पाँव शुरू कर दिये पसारने ठंड ने – **ठंड ने अपने हाथ पाँव पसारने शुरू कर दिये।**

2. नीचे दिये गए शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखो–

(क) लंबा – **लंबाई**　　(ख) निर्धन – **निर्धनता**

(ग) सफल – **सफलता**　　(घ) ईमानदार – **ईमानदारी**

(ङ) साफ – **सफाई**

3. निम्न 'प्रत्ययों' के दो-दो शब्द बनाओ–

(क) इक – **नैतिक　दैनिक**　　(ख) वान – **ज्ञानवान　धनवान**

(ग) वाला – **चायवाला　फलवाला**　　(घ) ई – **जंगली　पहाड़ी**

(ङ) आह – **लापरवाह　परवाह**

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलो–

(क) काकाजी – **काकीजी**　　(ख) पिता – **माता**

(ग) बेटा – **बेटी**

22

हॉकी का जादूगर

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) ध्यानचंद के नाम के साथ 'हॉकी का जादूगर' विशेषण जुड़ा हुआ है।

(ख) ध्यानचंद 'सेन्टर फॉरवर्ड' के स्थान पर खेलते थे।

(ग) हिटलर ने उन्हें जर्मनी में अच्छे पद पर कार्य करने के लिए आमंत्रित किया, पर ध्यानचंद ने उसका प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया।

(घ) खेल से संन्यास लेकर ध्यानचन्द ने प्रशिक्षक का दायित्व सँभाला।

2. सोचकर लिखो–

(क) ध्यानचंद के जीवन में मेजर तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ध्यानचन्द को हॉकी सिखाने का श्रेय मेजर तिवारी को है।

(ख) भारत का 1926 ई० में न्यूजीलैंड दौरा ध्यानचंद के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। न्यूजीलैंड के दर्शक ध्यानचंद का खेल और उनकी गोल करने की व्यूह-रचना देखकर हतप्रभ रह गए। इस दौरे के बाद इन्होंने हॉकी के खेल में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर ली। सेना के अधिकारियों ने उनके प्रदर्शन से प्रसन्न होकर सिपाही से लांस नायक बना दिया।

(ग) हिटलर ने उन्हें जर्मनी में एक अच्छे पद पर कार्य करने का निमंत्रण दिया था, परन्तु उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकराकर सच्चा देशभक्त होने का प्रमाण दिया था।

(घ) ध्यानचन्द ने एम्सटरडम (1928), लॉस एंजेल्स (1932), बर्लिन (1936) में प्रतियोगिताएँ जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) मेजर ध्यानचंद का जन्म कब हुआ था?

22 अगस्त, 1904 में [ ] 20 अगस्त, 1905 में [ ]
29 अगस्त, 1905 में [✓] 27 अगस्त, 1904 में [ ]

(ख) स्कूली शिक्षा के बाद मेजर ध्यानचंद कहाँ भर्ती हो गए थे?

विद्यालय में [ ] विश्वविद्यालय में [ ]
सेना में [✓] अस्पताल में [ ]

(ग) मेजर ध्यानचंद लेफ्टिनेंट कब बने?

1949 में [ ] 1942 में [✓] 1940 में [ ] 1941 में [ ]

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

झाँसी, लटके, सेंटर फॉरवर्ड, हिटलर, खेल-कूद

(क) ध्यानचंद को बचपन में **खेल-कूद** में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

(ख) ध्यानचंद का परिवार कुछ समय पश्चात **झाँसी** में आकर बस गया।

(ग) ध्यानचंद ने हॉकी के खेल के **लटके** दिखाने शुरू कर दिए।

(घ) ध्यानचंद **सेंटर फॉरवर्ड** के स्थान पर खेलते थे।

(ङ) जर्मनी के डिक्टेटर **हिटलर** ने उनसे विशेष तौर पर हाथ मिलाया।

5. निम्नलिखित वाक्यों के सामने 'सही' अथवा 'गलत' लिखो–

(क) ध्यानचंद सेना के मामूली सिपाही थे। **गलत**

(ख) ध्यानचंद का जन्म एक सामान्य ब्राह्मण परिवार में हुआ। **गलत**

(ग) ध्यानचंद के मन में हॉकी के लिए विशेष लगाव नहीं था। **सही**

(घ) ध्यानचंद 'सेंटर फॉरवर्ड' के स्थान पर खेलते थे। **सही**

(ङ) न्यूजीलैंड की हॉकी टीम काफ़ी कमज़ोर थी। **गलत**

(च) 13 दिसंबर, 1979 को ध्यानचंद का निधन हो गया। **गलत**

(छ) हिटलर ने ध्यानचंद को जर्मनी में काम करने के लिए आमंत्रित किया। **सही**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) सौ सालों का समूह है–

साप्ताहिक [ ] मासिक [ ] शताब्दी [✓] वार्षिक [ ]

(ख) 'मशहूर' का हिंदी रूप है–

प्रसिद्ध [✓] कुख्यात [ ] महान [ ] दिलचस्प [ ]

(ग) 'सतत्' का तद्भव रूप है–

साधना [ ] लगाकर [✓] सामना [ ] सटीक [ ]

(घ) 'सर्वोत्तम' का संधि-विच्छेद है–

सर्व + ओत्तम [ ] सर्वो + तम [ ] सर्व + त्तम [ ] सर्व + उत्तम [✓]

(ङ) अंग्रेज़ी भाषा का शब्द है–

हिंदी [ ] मिस्टर [ ] बादशाह [✓] कहानी [ ]

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग करो–

(क) विश्व – **संसार** **ध्यानचंद संसार में प्रसिद्ध खिलाड़ी थे।**

(ख) ख्याति – **प्रसिद्धि** **ध्यानचंद को बहुत प्रसिद्धि मिली।**

(ग) जीत – **विजय** **भारत ने खेलों में विजय प्राप्त की।**

(घ) अवसर – **मौका** **यह निवेश करने का अच्छा मौका है।**

(ङ) अतिथि – **मेहमान** **कल श्याम के यहाँ मेहमान आये थे।**

3. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थान दिए गए शब्दों के विलोम शब्द से पूरे करो–

(क) प्रतिवर्ष कोई **नया** (पुराना) खिलाड़ी चैंपियन बनता है।

(ख) उसी **दिन** (रात) से उनका नाम विख्यात हो गया।

(ग) **अन्त** (आदि) तक वे उसी स्थान पर खेलते रहे।

(घ) लोगों ने उन्हें **अधिक** (कम) प्यार दिया।

(ङ) ध्यानचंद ने हिटलर का प्रस्ताव **अस्वीकार** (स्वीकार) कर दिया।

(च) सन् 1979 में हॉकी के इस महान खिलाड़ी की **मृत्यु** (जन्म) हो गई।

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर लिखो–

(क) ध्यानचंद ने अनेक हॉकी खिलाड़ी का मार्गदर्शन किया। **खिलाड़ियों**

(ख) बाद में वे सेना में भर्ती हो गए। **सेनाएँ**

(ग) सेना के उच्च अधिकारियों ने उन्हें लांसनायक बना दिया। **अधिकारी**

(घ) सन 1928 और 1932 में भारत ने ओलंपिक प्रतियोगिताएँ जीतीं। **प्रतियोगिता**

(ङ) मेरे देशवासियों का मेरे प्रति बहुत स्नेह है। **देशवासी**

(च) ध्यानचंद को विशेष अतिथि के रूप में बुलाया गया। **अतिथियों**